▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 334 ▸▸मुंबई, मंगलवार, 10 फरवरी 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

महायुति की महाविजय

225 सीटों के साथ भाजपा नंबर वन

12 जिला परिषद के 731 सदस्यों के चुनाव नतीजे घोषित

सत्ताधारी महायुति गठबंधन ने 552 सीट पर जीत हासिल की

अजीत पवार की राष्ट्रवादी 172 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर

शिंदे सेना ने भी पार किया शतक, उद्धव सेना का बुरा हाल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में 'मिनी मंत्रालय' कहे जाने वाले जिला परिषद चुनावों के अब तक आए नतीजों में महायुति का दबदबा साफ नजर आ रहा है। सत्ताधारी महायुति गठबंधन ने 12 जिला परिषदों की 731 सीट में से 552 सीट पर जीत हासिल की महायुति में भी बीजेपी ने सबसे ज्यादा सीटें जीती हैं। कुल 731 में से 714 सीटों के नतीजों के अनुसार भाजपा 225 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि शिवसेना (शिंदे गुट) को 162 और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) को 172 सीटें मिली हैं। वहीं शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) को केवल 46 सीटों पर संतोष करना पड़ा है, जो उसके लिए बड़ा राजनीतिक झटका माना जा रहा है। कांग्रेस को 55, राष्ट्रवादी (शरद पवार गुट) को 21 और अन्य को 33 सीटें मिली हैं।

रायगढ़ : शिवसेना और एनसीपी का दबदबा

रायगढ़ जिला परिषद की 59 सीटों में से शिवसेना 21 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। यहां एनसीपी ने 16 और भाजपा ने 15 सीटों पर जीत दर्ज की है। सबसे चौंकाने वाला परिणाम 'शेकाप' (PWPI) का रहा, जिसका खाता भी नहीं खुल सका, जबकि ठाकरे गुट को 5 और कांग्रेस को 2 सीटों से संतोष करना पड़ा।

रत्नागिरी : शिवसेना (शिंदे) का एकतरफा राज

रत्नागिरी जिला परिषद की कुल 56 सीटों में से शिवसेना (शिंदे) ने 40 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं भाजपा को महज 4 सीटों पर ही सफलता मिल सकी। उद्धव गुट का प्रदर्शन कमजोर रहा और वह सिर्फ 5 सीटें ही जीत पाया। रत्नागिरी में शिंदे गुट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे नीलेश राणे के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था।

पुणे : अजित पवार गुट की ऐतिहासिक जीत

पुणे जिला परिषद में राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) ने सुनामी पैदा करते हुए 73 में से 48 सीटों पर जीत हासिल की है। भाजपा को यहां मात्र 10 सीटें मिलीं, जबकि शरद पवार गुट केवल 1 सीट ही जीत सका। ठाकरे गुट ने 6 सीटें जीतकर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

सिंधुदुर्ग : भाजपा का 'कोंकण' किला बरकरार

सिंधुदुर्ग में भाजपा ने नितेश राणे के नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतरकर मजबूत प्रदर्शन किया। यहां कुल 50 सीटों में से भाजपा ने 27 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि शिंदे गुट को 14 सीटें मिलीं। उद्धव गुट को सिंधुदुर्ग में सिर्फ 3 सीटों से संतोष करना पड़ा।

सातारा : महायुति के बीच कड़ा मुकाबला

सातारा की 65 सीटों में भाजपा (23) और राष्ट्रवादी कांग्रेस (22) के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। शिवसेना भी 13 सीटों के साथ महत्वपूर्ण भूमिका में है। कांग्रेस को यहां केवल 1 सीट मिली है। जिले की राजनीतिक तस्वीर महायुति के पक्ष में झुकती दिखाई दे रही है।

सांगली : शरद पवार गुट की प्रभावी वापसी

सांगली जिला परिषद में शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 18 सीटें जीती हैं। भाजपा 16 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। कांग्रेस ने भी 11 सीटों पर जीत दर्ज कर अपनी ताकत दिखाई है। यहां महाविकास आघाड़ी का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

मतदाताओं का स्पष्ट जनादेश : रविंद्र चव्हाण

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण ने सोमवार को पत्रकारों को बताया कि 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनावों में भारतीय जनता पार्टी पूरे राज्य में नंबर एक पार्टी बनी है। 12 जिला परिषदों में सभी स्थानों पर भाजपा और महायुति की ही सत्ता स्थापित होगी तथा 125 पंचायत समितियों में से 50 से अधिक स्थानों पर भाजपा सत्ता में आएगी । उन्होंने कहा कि इन चुनावों में महायुति के 80 प्रतिशत से अधिक प्रतिनिधि निर्वाचित हुए हैं और मतदाताओं ने उबाठा तथा कांग्रेस को स्पष्ट रूप से नकार दिया है। रविंद्र चव्हाण ने कहा कि जहाँ एक ओर विपक्ष लगातार नकारात्मक राजनीति कर रहा था, वहीं भाजपा ने जनहित को केंद्र में रखकर विकास की राजनीति की, इसलिए मतदाताओं ने महायुति का साथ दिया। ग्रामीण महाराष्ट्र को और अधिक सशक्त बनाने के लिए भाजपा प्रतिबद्ध रहेगी।

कोल्हापुर: त्रिशंकु परिणाम और एनसीपी की बढ़त

कोल्हापुर की 68 सीटों पर किसी एक पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। एनसीपी ने 20 और कांग्रेस ने 15 सीटें जीतकर मजबूत स्थिति बनाई है। भाजपा को 12 और शिवसेना (शिंदे) को 9 सीटें मिली हैं। स्थानीय आघाड़ियों और जनसुराज्य जैसी पार्टियों की भूमिका यहां सरकार बनाने में अहम होगी।

सोलापुर: भाजपा की शानदार बढ़त

सोलापुर में भाजपा ने 68 में से 36 सीटें जीतकर स्पष्ट बढ़त हासिल की है। यहां एनसीपी को 10 और शरद पवार गुट को 7 सीटें मिली हैं। शिवसेना और शेकाप को क्रमशः 5 और 3 सीटों पर जीत मिली। भाजपा ने यहां ग्रामीण वोट बैंक में अपनी पकड़ मजबूत की है।

छत्रपति संभाजीनगर: भाजपा-शिवसेना का गठबंधन मजबूत

मराठवाड़ा के इस महत्वपूर्ण जिले में भाजपा (23) और शिवसेना (21) ने मिलकर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। ठाकरे गुट 9 सीटों के साथ विपक्ष में है। यहां महायुति के समर्थित उम्मीदवारों ने भी जीत दर्ज की है, जिससे सत्ता की राह आसान हो गई है।

परभणी: भाजपा और एनसीपी का गठबंधन हावी

परभणी की 54 सीटों में भाजपा 24 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी है। अजित पवार गुट ने भी 15 सीटों पर जीत दर्ज की है। ठाकरे गुट को 6 और शिवसेना (शिंदे) को 5 सीटें मिली हैं। कांग्रेस यहां महज 3 सीटों पर सिमट कर रह गई है।

धाराशिव: भाजपा और शिंदे गुट का तालमेल

धाराशिव में भाजपा ने 19 और शिवसेना (शिंदे) ने 15 सीटों पर कब्जा जमाया है। ठाकरे गुट ने यहां 7 सीटें जीतकर कड़ा मुकाबला दिया। निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी 4 सीटें जीतकर महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई है, जो स्थानीय स्तर पर असंतोष या व्यक्तिगत प्रभाव को दर्शाता है।

लातूर: कांग्रेस का गढ़ बरकरार

लातूर में कांग्रेस ने अपना दबदबा कायम रखते हुए 59 में से 23 सीटें जीती हैं। भाजपा 18 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि अजित पवार की एनसीपी ने 12 सीटें हासिल कीं। लातूर की राजनीति में कांग्रेस ने अपनी पारंपरिक जड़ों को मजबूत बनाए रखा है।

पीएम ने महाराष्ट्र की जनता का जताया आभार

“ महाराष्ट्र के जिला परिषद चुनाव में महायुति की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र की जनता का आभार व्यक्त किया है. पीएम मोदी ने कहा कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और म्युनिसिपल काउंसिल चुनावों में बीजेपी और महायुति की शानदार जीत के बाद, महाराष्ट्र की जनता ने ज़िला परिषद चुनावों में भी हमें जबरदस्त जनादेश दिया है. यह साफ है कि पूरे ग्रामीण और शहरी महाराष्ट्र में, राज्य के लोग सुशासन और ऐसे गठबंधन चाहते हैं जो राज्य की गौरवशाली संस्कृति की भावना से काम करे. मैं महाराष्ट्र के अपने भाइयों और बहनों का आभार व्यक्त करता हूं.

बीजेपी की जीत से गदगद फडणवीस

“ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जिला परिषद एवं पंचायत समिति चुनावों की मतगणना के बीच सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महाराष्ट्र के शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। फडणवीस ने कहा कि भाजपा ने 12 जिलों में अब तक 236 सीटें जीतकर और 125 पंचायत समितियों में 410 सीटें जीतकर अपना 2017 का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों से पता चलता है कि लोगों ने एक बार फिर महायुति गठबंधन पर अपना भरोसा जताया है।

दो जिला परिषद में कांग्रेस की सत्ता : सपकाल

कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्य की 2 जिला परिषदों में पार्टी ने सत्ता हासिल की है। सपकाल ने कहा कि हमने कांग्रेस की विचारधारा और संगठन को बढ़ाने के लिए अपने दम पर राज्य में निकाय चुनाव लड़ा। कुछ जगहों पर राजनीतिक स्थितियों को देखते हुए स्थानीय स्तर पर गठबंधन किया गया। क्योंकि ये कार्यकर्ताओं के चुनाव हैं, इसलिए उन्हें ज़्यादा से ज़्यादा मौके दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में लोगों ने कांग्रेस की विचारधारा को अच्छा वोट दिया है। कांग्रेस ने नए साथी वंचित बहुजन आघाड़ी, ओबीसी बहुजन आघाड़ी और राष्ट्रीय समाज पार्टी को जोड़ा है। इस चुनाव में कांग्रेस राज्य की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बन गई है। 2029 के विधानसभा चुनाव के लिए अभी काफी समय है, उस समय की राजनीतिक स्थिति को देखकर फैसला लिया जाएगा। सपकाल ने कहा कि जिला परिषद चुनाव के दौरान सोलापुर जिले के मोहोल में एक ढाबे पर ईवीएम मशीन मिली, यह तो सबने देखा, लेकिन पता लगाइए कि मंत्रियों और सत्ताधारी नेताओं के घरों में ऐसी कितनी मशीनें मिलीं।

ब्रीफ न्यूज़

एयरलाइनों को 352 कारण बताओ नोटिस जारी

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन नियामक डीजीसीए ने पिछले दो वर्षों में विभिन्न उल्लंघनों के लिए एयरलाइनों को 352 कारण बताओ नोटिस जारी किए। इंडिगो और एयर इंडिया को 1 जनवरी, 2024 से 31 दिसंबर, 2025 की अवधि के दौरान क्रमशः 98 और 84 कारण बताओ नोटिस मिले। नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा सोमवार को राज्यसभा को दिए गए आंकड़ों के अनुसार, अन्य एयरलाइंस में एयर इंडिया एक्सप्रेस को 65 कारण बताओ नोटिस, स्पाइसजेट को 45 और अकासा एयर को 17 नोटिस जारी हुए। मंत्रालय ने बताया कि इनमें से 139 मामलों में संबंधित एयरलाइनों पर जुर्माना लगाया गया। 113 नोटिस में डीजीसीए ने चेतावनी दी, जबकि केवल 7 नोटिसों में संतोषजनक उत्तर प्राप्त हुए।

सात हाईस्पीड कॉरिडोर के लिए दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के एक फरवरी को आम बजट 2026-27 में सात हाईस्पीड कॉरिडोर परियोजना की घोषणा के नौवें दिन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसको जमीन पर उतारने के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। रेलवे बोर्ड के शीर्ष अधिकारियों के साथ सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक में यह फैसला किया गया है। रेलवे बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, नेशनल हाईस्पीड कॉरिडोर कंपनी लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) को हाईस्पीड कॉरिडोर के मानकों के एकीकरण की कमान मिली है। बोर्ड ने निर्देश दिया है कि पूरे भारत में हाईस्पीड रेल के लिए तकनीकी और परिचालन मानकों को एक समान रखा जाए। इससे न केवल निर्माण में आसानी होगी, बल्कि भविष्य में अलग-अलग कॉरिडोर के बीच ट्रेनों के आवागमन में भी तकनीकी बाधा नहीं आएगी।

नकलचियों की खैर नहीं...

- पुलिस के कड़े पहरे में महाराष्ट्र बोर्ड परीक्षाएं आज से, तैयारियां पूरी
- 15 .32 लाख से अधिक विद्यार्थी 3,370 केंद्रों पर देंगे 12वीं की परीक्षा
- नकलमुक्त परीक्षा के लिए सीसीटीवी, उड़नदस्ते और सख्त कानून
- 248 परीक्षा केंद्र संवेदनशील, 172 केंद्रों पर स्टाफ बदला गया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 10 फरवरी से शुरू होने वाली कक्षा 12वीं (HSC) की बोर्ड परीक्षाओं के लिए अपनी सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस वर्ष राज्यभर से कुल 15,32,467 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया है। परीक्षा का आयोजन मुंबई, पुणे, नागपुर और लातूर सहित राज्य के नौ विभागीय मंडलों में स्थित 3,370 केंद्रों पर 10 फरवरी से 18 मार्च 2026 के बीच किया जाएगा।

पुलिस बल की तैनाती

संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने के भी निर्देश दिए गए है। परीक्षा केंद्रों पर महिला पुलिसकर्मी को तैनाती अनिवार्य होगी। स्टूडेंट्स के परीक्षा कक्ष में प्रवेश से पहले महिला पुलिस द्वारा तलाशी ली जाएगी। बिना एडमिट कार्ड किसी भी छात्र को एग्जाम सेंटर पर एंट्री नहीं दी जाएगी। हालांकि शिक्षा विभाग ने पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए है कि पुलिसकर्मी एग्जाम रूम्स के अंदर बिना वजह प्रवेश न करें।

शाखावार पंजीकरण और छात्र सांख्यिकी

इस वर्ष के आंकड़ों के अनुसार, विज्ञान शाखा में सबसे अधिक 7,99,773 छात्रों ने आवेदन किया है। इसके बाद कला शाखा में 3,80,692 और वाणिज्य में 3,20,152 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। विविधता की दृष्टि से इस बार 8,30,339 लड़के और 7,02,280 लड़कियों के साथ-साथ 48 ट्रांसजेंडर छात्र भी शामिल हो रहे हैं। इसके अतिरिक्त, मंडल ने 8,690 दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए विशेष व्यवस्था की है ताकि वे बिना किसी बाधा के अपनी परीक्षा पूरी कर सकें।

डिजिटल परीक्षा और तकनीकी पहल

आधुनिक पद्धति को अपनाते हुए, मंडल ने सूचना प्रौद्योगिकी और सामान्य ज्ञान विषयों की परीक्षाएँ ऑनलाइन माध्यम से आयोजित करने का निर्णय लिया है। आईटी विषय के लिए 3 .36 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया है। इस डिजिटल बदलाव का उद्देश्य मूल्यांकन प्रक्रिया को सटीक और पारदर्शी बनाना है। इसके लिए 10,664 कनिष्ठ महाविद्यालयों को तकनीकी दिशा-निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

बोर्ड परीक्षा के दौरान धारा 144 और धारा 37 लागू

संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर जरूरत के अनुसार धारा 144 और मुंबई पुलिस अधिनियम की धारा 37 लागू की जाएगी। परीक्षा केंद्र परिसर में मोबाइल फोन, लेपटॉप, टैबलेट, फैक्स मशीन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध रहेगा।

सीसीटीवी से होगी लाइव निगरानी

बोर्ड ने सभी स्कूलों से परीक्षा केंद्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों का पूरी डिटेल्स मांगी है। स्कूलों को सीसीटीवी कनेक्शन की लॉगिन आईडी, एडमिन आईडी और पासवर्ड बोर्ड को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए स्कूलों को गूगल फॉर्म भरने का निर्देश दिया गया है। इससे परीक्षा के दौरान लाइव निगरानी संभव होगी और किसी भी तरह की नकल या अनियमिता पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी।

नकल रोकने के कड़े इंतजाम और सुरक्षा

महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन द्वारा बोर्ड 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को शांतिपूर्ण और नकल-मुक्त कराने के लिए, परीक्षा केंद्रों पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए जाएंगे। परीक्षा के दौरान सभी एग्जाम सेंटर्स, उपकेंद्रों और गोपनीय सामग्री संरक्षण केंद्रों पर पुलिस बंदोबस्त अनिवार्य रहेगा। इस संबंध में शिक्षा विभाग की ओर से सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों और पुलिस आयुक्तों को पत्र भेजकर जरूरी निर्देश दिए गए हैं। मुख्य परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा-व्यवस्था के विशेष निर्देश दिए गए हैं। हर मुख्य परीक्षा केंद्र पर कम से कम 2 पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी। परीक्षा शुरू होने के एक दिन पहले से परीक्षा समाप्ति तक पुलिस बंदोबस्त रहेगा। मुख्य परीक्षा केंद्रों पर सुबह 3 बजे से शाम 8 बजे तक, जबकि उपकेंद्रों पर सुबह 9 :30 बजे से शाम 8 बजे तक पुलिस की मौजूदगी रहेगी।

क्वेश्चन पेपर को लेकर सख्त निर्देश

बोर्ड एग्जाम के क्वेश्चन पेपर की सुरक्षा को लेकर भी सख्त निर्देश दिए गए है। प्रश्न-पत्रों का वितरण जिला स्तरीय संरक्षण केंद्रों (कस्टडी सेंटर्स) से किया जाएगा, जहां सशस्त्र पुलिस बल तैनात रहेगा। प्रश्न-पत्रों की सील खोलने और बंद करने की प्रक्रिया पुलिस की मौजूदगी में होगी। इसकी समय व तारीख रजिस्टर में दर्ज की जाएगी। परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं को पोस्ट ऑफिस एक भेजने के दौरान भी पुलिस सुरक्षा अनिवार्य रहेगी।

सताने लगी गर्मी, शुष्क रहेगा मौसम

सांताक्रूज़ में 34 .5 डिग्री और कोलाबा में 33 .4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज

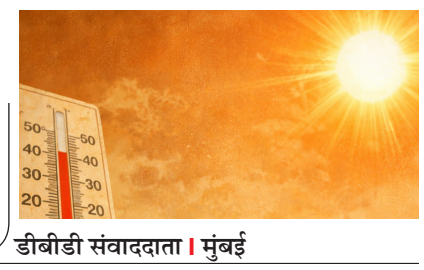

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य में धीरे-धीरे गर्मी का असर बढ़ने लगा है। सुबह और शाम हल्की ठंड बनी हुई है, लेकिन दिन में तेज धूप के कारण उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करने लगी है। मौसम विभाग ने अगले पांच से सात दिनों तक मौसम शुष्क रहने और अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना से इनकार किया है। राज्य के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फरवरी की शुरुआत से ही गर्मी का अहसास होने लगा है। कोंकण पट्टी में तापमान सबसे अधिक रहा, जहां रत्नागिरी में 36 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। मुंबई में सांताक्रूज़ में 34.5 डिग्री और कोलाबा में 33.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ, जबकि दहानू में अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

मराठवाड़ा और विदर्भ में भी चढ़ा पारा

मराठवाड़ा के कई हिस्सों में भी तापमान में उतार-चढ़ाव देखा गया। धाराशिव में 31.8, छत्रपति संभाजी नगर में 31.5 और परभणी में 30 .8 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। विदर्भ में अमरावती और अकोला में 33 .3 डिग्री, बुलढाणा और ब्रह्मपुरी में 32, चंद्रपुर में 32 .4, नागपुर में 30 .6 और वर्धा में 32 .8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

आने वाले दिनों का मौसम पूर्वानुमान

मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक अधिकतम तापमान में खास बदलाव नहीं होगा। उत्तरी कोंकण में न्यूनतम तापमान स्थिर रहने की संभावना है, हालांकि दो दिनों बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। पुणे और आसपास के इलाकों में आसमान साफ रहेगा और सुबह के समय कोहरा छाए रहने की संभावना जताई गई है।

साइबर ठगी 'लूट और डकैती' के समान है: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डिजिटल गिरफ्तारी और साइबर धोखाधड़ी के जरिए 54,000 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी को पूरी तरह से 'लूट या डकैती' बताया और कहा कि यह कई छोटे राज्यों के सालाना बजट से भी अधिक है। ये आंकड़े नवंबर 2021 से नवंबर, 2025 तक के हैं। शीर्ष अदालत ने इसे गंभीरता से लेते हुए साइबर ठगी पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), बैंकों और संचार विभाग जैसे हित धारकों के साथ विचार विमर्श करने के बाद 4 सप्ताह के भीतर एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया है।

लातूर में कांग्रेस का किला बरकरार

डीबीडी संवाददाता । लातूर

लातूर शहर महानगरपालिका चुनाव 2026 के बाद 9 फरवरी को आयोजित विशेष सभा में कांग्रेस ने एक बार फिर अपना राजनीतिक दबदबा साबित किया है। कांग्रेस की जयश्री सोनकांबळे को महापौर और एडवोकेट स्नेहल उटगे को उपमहापौर पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। लातूर की जिलाधिकारी ने पीठासीन अधिकारी के रूप में इस चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराया, जिससे नगर निगम में कांग्रेस के नए युग की शुरुआत हुई है।

जयश्री सोनकांबले महापौर, एडवोकेट स्नेहल उटगे उपमहापौर निर्विरोध निर्वाचित

राजनीतिक समझौते ने आसान की राह

चुनाव के दौरान कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाड़ी के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना थी। हालांकि, मतदान से ठीक पहले दोनों दलों के बीच एक महत्वपूर्ण राजनीतिक समझौता हुआ। इस समझौते के तहत वंचित बहुजन आघाड़ी को आगामी ढाई वर्षों में उपमहापौर पद और स्थायी समिति सहित अन्य महत्वपूर्ण समितियों में प्रतिनिधित्व देने पर सहमति बनी। इस रणनीतिक तालमेल के बाद वंचित बहुजन आघाड़ी ने अपने उम्मीदवार वापस ले लिए, जिससे कांग्रेस की राह निष्कंटक हो गई।

जयश्री सोनकांबळे: सामान्य पृष्ठभूमि से शिखर तक

महापौर पद की जिम्मेदारी संभालने वाली जयश्री सोनकांबळे एक सामान्य परिवार से आती हैं, जो कांग्रेस का एक बड़ा सामाजिक संदेश माना जा रहा है। उन्होंने भाजपा की प्रियंका गायकवाड़ को 153 मतों से हराकर जीत दर्ज की। 12वीं तक शिक्षित 46 वर्षीय जयश्री पिछले 15 वर्षों से कांग्रेस में सक्रिय कार्यकर्ता रही हैं। प्रभाग क्रमांक 12 (SC महिला आरक्षित) से पहली बार चुनाव जीतकर सीधे महापौर बनना उनके राजनीतिक करियर की एक असाधारण उपलब्धि है।

एडवोकेट स्नेहल उटगे: वकालत से उपमहापौर तक

उपमहापौर पद के लिए चुनी गई एडवोकेट स्नेहल उटगे पिछले 18 वर्षों से वकालत के पेशे में सक्रिय हैं। एलएलबी शिक्षित 45 वर्षीय स्नेहल ने भाजपा के अनुभवी पार्षद शैलेश स्वामी को 970 मतों के भारी अंतर से शिकस्त दी। लिंगायत समाज से आने वाले उटगे परिवार की निष्ठा कई पीढ़ियों से कांग्रेस के साथ रही है। पहली बार पार्षद बनकर सीधे उपमहापौर पद हासिल करना उनके प्रभावी नेतृत्व और पार्टी के भरोसे को दर्शाता है।

न्यूज़ ब्रीफ

तीन भाषा नीति को लेकर गठित समिति ने सरकार को सौंपी अपनी रिपोर्ट

मुंबई। महाराष्ट्र में स्कूलों के लिए 'त्रि-भाषा नीति' का खाका तैयार करने हेतु गठित नरेंद्र जाधव समिति ने अपनी महत्वपूर्ण रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को इस विकास की पुष्टि की। हालांकि मुख्यमंत्री ने अभी समिति की विशिष्ट सिफारिशों का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि इस रिपोर्ट को आगामी राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। कैबिनेट ही यह अंतिम निर्णय लेगी कि किन सुझावों को मूल रूप से स्वीकार करना है या उनमें संशोधन की आवश्यकता है। इस बहु-सदस्यीय समिति का नेतृत्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री और शिक्षाविद नरेंद्र जाधव कर रहे थे। इसका प्राथमिक लक्ष्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप महाराष्ट्र के स्कूलों में तीन भाषाओं के फार्मूले को लागू करने के लिए एक ठोस ढांचा तैयार करना था। यह कदम राज्य की भाषाई पहचान और राष्ट्रीय शैक्षिक मानकों के बीच संतुलन बनाने की एक कोशिश है, ताकि छात्रों पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना उन्हें बहुभाषी बनाया जा सके। इस समिति का गठन राज्य में हुए व्यापक राजनीतिक विरोध के बाद किया गया था, जहाँ कई दलों ने हिंदी को 'थोपने' के प्रयासों पर आपत्ति जताई थी। गौरतलब है कि अप्रैल 2025 में एक सरकारी आदेश के जरिए पहली से पांचवीं कक्षा तक हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने का प्रयास किया गया था, जिसे कड़े विरोध के बाद रद्द करना पड़ा। इसके बाद जून 2025 में हिंदी को एक वैकल्पिक भाषा के रूप में पेश किया गया। अब जाधव समिति की इस रिपोर्ट से उम्मीद है कि राज्य में भाषा विवाद सुलझ जाएगा और एक सर्वमान्य नीति लागू होगी।

मुंबई-गोवा रेलमार्ग पर वंदे भारत से टकराए मवेशी, तीन घंटे बाधित रहा यातायात

मुंबई। देश के सबसे व्यस्त रेलखंडों में शामिल मुंबई-गोवा मार्ग पर सोमवार को कुडाल और सिंधुदुर्ग स्टेशन के बीच उस समय रेल यातायात करीब तीन घंटे तक ठप रहा, जब मुंबई से गोवा (मडगांव) जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस भटककर पटरियों पर आए तीन मवेशियों से टकरा गई। इस हादसे में ओवरहेड इक्विपमेंट को नुकसान पहुंचा, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। कोंकण रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, मवेशी ट्रेन से टकराने के बाद बिजली खंभे से जा लगे, जिससे खंभा मुड़ गया और मरम्मत के लिए बिजली आपूर्ति रोकनी पड़ी। कड़ी मशक्कत के बाद अपराह्न करीब 2:30 बजे रेल यातायात को क्रमबद्ध रूप से बहाल किया गया, जबकि वंदे भारत एक्सप्रेस को कुछ घंटों की देरी के बाद अपने गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

कंजेशन टैक्स की मांग पर भड़के आदित्य ठाकरे

मुंबई। मुंबई में मेयर पद पर भाजपा के कब्जे के बीच पार्टी के नगरसेवक मकरंद नार्वेकर द्वारा कंजेशन टैक्स लगाने की मांग ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। प्रस्ताव के अनुसार, व्यस्त समय—सुबह 8 से 10 बजे और शाम 6 से 9 बजे—के दौरान एक स्थान से दूसरे स्थान पर निजी वाहन से यात्रा करने वालों से टैक्स लिया जाएगा, ताकि ट्रैफिक कम हो, लोग सार्वजनिक परिवहन अपनाएं और वायु गुणवत्ता सुधरे। नार्वेकर ने इसे पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर साउथ मुंबई या हाई-डेंसिटी इलाकों में लागू करने, टैक्स राशि तय करने में प्लानिंग और एआई तकनीक के उपयोग की बात कही है, जिसे वे बीएमसी कार्यकाल शुरू होने पर सदन और कमिश्नर के समक्ष पेश करेंगे।

दसवीं-बारहवीं के परीक्षार्थी अध्ययन को ही लक्ष्य रखें: ठाणे मेयर

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र में मंगलवार (10 फरवरी) से शुरू हो रही 12वीं और 20 फरवरी से शुरू होने वाली 10वीं की बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर ठाणे की मेयर शर्मिला रोहित पिंपोलकर ने विद्यार्थियों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण समय में केवल अपने अध्ययन को ही अपना मुख्य लक्ष्य रखें और पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा केंद्रों पर उपस्थित हों।

तनावमुक्त परीक्षा और समय प्रबंधन का मंत्र

मेयर पिंपोलकर ने विद्यार्थियों को सफलता के लिए 'अनुशासन' और 'सकारात्मक सोच' का मंत्र दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्र अपनी समय सारिणी का उचित नियोजन करें ताकि वे बिना किसी मानसिक दबाव के परीक्षा दे सकें। उन्होंने जोर देकर कहा कि निरंतर कड़ी मेहनत ही सफलता की कुंजी है और छात्रों को अपनी काबिलियत पर पूरा भरोसा रखना चाहिए। मेयर ने संदेश दिया कि परीक्षा को बिना किसी डर के एक अवसर के रूप में देखना चाहिए। छात्रों के साथ-साथ मेयर ने माता-पिता और शिक्षकों से भी विशेष अपील की है। उन्होंने कहा कि परीक्षा के इस तनावपूर्ण समय में विद्यार्थियों को मानसिक सहयोग और हिम्मत देना सबसे जरूरी है। अभिभावकों को घर में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना चाहिए ताकि छात्र एकाग्रता के साथ अपनी तैयारी पूरी कर सकें। उन्होंने सभी परीक्षार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि हर छात्र अपनी मेहनत के अनुरूप सफलता प्राप्त करेगा।

मामला दर्ज, तीन आरोपी फरार | हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग से लाखों की ठगी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

शहर में हनीट्रैप के जरिए एक कारोबारी को जाल में फंसाकर ब्लैकमेल करने और उनसे लाखों रुपये की संपत्ति ठगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शांतिनगर पुलिस ने पीड़ित व्यवसायी जमीर नविद पटेल की शिकायत पर गुजरात निवासी तीन आरोपियों—इशरत टोपीवाला, शहनाज इब्राहिम टोपीवाला और इरशाद इब्राहिम टोपीवाला—के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने आपसी मिलीभगत से इस साजिश को अंजाम दिया, हालांकि अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है और सभी आरोपी फरार हैं।

ब्लैकमेलिंग और लाखों की ठगी का जाल

घटनाक्रम के अनुसार, यह धोखाधड़ी 26 अप्रैल 2024 से लेकर 30 अक्टूबर 2025 के बीच वंजारपट्टी नाका स्थित एक लॉज में अंजाम दी गई। महिला आरोपी ने शिकायतकर्ता को विश्वास में लेकर लॉज में बुलाया, जहाँ उनका आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड कर लिया गया। इसके बाद आरोपियों ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पीड़ित को मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू किया। डर के कारण पीड़ित ने नकदी के अलावा आईफोन 14 प्रो मैक्स, लैपटॉप, आईपैड, एप्पल वॉच, सोने के गहने और यहाँ तक कि फ्रिज, वॉशिंग मशीन और दो एयर कंडीशनर जैसी कीमती वस्तुएं भी आरोपियों के हवाले कर दीं। शांतिनगर पुलिस ने इस मामले में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है और पुलिस उप निरीक्षक रविंद्र आव्हाड मामले की गहराई से जांच कर रहे हैं। इस घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों के लिए सतर्कता चेतावनी जारी की है।

प्रॉपर्टी डीलर हत्या मामले में सभी 8 आरोपी बरी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

जिले की अदालत ने वर्ष 2015 में हुए प्रॉपर्टी डीलर बंटी प्रधान की हत्या के मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए सभी आठ आरोपियों को बरी कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि अभियोजन पक्ष आरोपियों की पहचान ठोस रूप से साबित नहीं कर सका, जिससे पूरा मामला संदेह के दायरे में आ गया।

पहचान में विफल रहा अभियोजन

मीरा-भायंदर रोड पर हुई थी वारदात

मामला 13 अप्रैल 2015 का है, जब मीरा-भायंदर रोड स्थित एक बार के बाहर अज्ञात हमलावरों ने प्रॉपर्टी डीलर बंटी प्रधान पर गोलियां चलाई थीं। गंभीर रूप से घायल बंटी प्रधान की इलाज के दौरान मौत हो गई थी, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई थी। इस गोलीबारी की घटना में बंटी प्रधान के दोस्त सचिन मनोहर विजयकर भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर संपत्ति विवाद को हत्या की वजह बताते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

गवाहों की पहचान पर अदालत ने उठाए सवाल

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस. बी. अग्रवाल ने अपने फैसले में कहा कि चश्मदीद गवाह आरोपियों की पहचान करने में असमर्थ रहे। अदालत के अनुसार, जुलेखा शेख सहित अन्य गवाहों ने गोलियों की आवाज को पटाखों की आवाज समझा और हमलावरों को पहचान नहीं पाए। इसी कमजोरी के चलते अदालत ने सभी आठ आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।

193 केंद्रों में परीक्षा देंगे 1,08,054 छात्र

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं की परीक्षा मंगलवार से शुरू हो रही है। ठाणे जिला परिषद के शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, 10 फरवरी से 18 मार्च तक चलने वाली इस परीक्षा के लिए जिले भर में कुल 193 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। शिक्षा विभाग ने परीक्षा को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं।

1 लाख 8 हजार से अधिक विद्यार्थी होंगे शामिल

ठाणे जिले से कुल 1,08,054 विद्यार्थी 12वीं की परीक्षा में शामिल होंगे, जिनमें 55,576 छात्र और 52,478 छात्राएं हैं। संकायवार आंकड़ों के अनुसार, विज्ञान शाखा के 44,463, कला के 14,414 और वाणिज्य शाखा के 48,722 विद्यार्थी परीक्षा देंगे। इसके अलावा एमसीवीसी, आईटीआई और विशेष आवश्यकता वाले (पीएच) विद्यार्थी भी परीक्षा में शामिल होंगे।

नकल रोकने के लिए कड़े इंतजाम

परीक्षा को नकलमुक्त और पारदर्शी बनाने के लिए जिला प्रशासन ने कड़े कदम उठाए हैं। परीक्षा केंद्रों पर पुलिस बल और सीसीटीवी कैमरों के जरिए निगरानी रखी जाएगी। जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में 20 उड़न दस्ते और महिला भरारी पथक तैनात किए गए हैं, जबकि 20 परिरक्षण केंद्र भी बनाए गए हैं। जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने सभी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा विभाग को सहयोग करने की अपील की है।

ठाणे में ट्रैफिक जाम से राहत की तैयारी

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे शहर में बढ़ती आबादी और वाहनों के दबाव को देखते हुए घोड़बंदर, वर्तकनगर और स्टेशन एरिया में लगने वाले ट्रैफिक जाम से राहत के लिए अहम कदम उठाए जा रहे हैं। ठाणे नगर विधायक संजय केलकर ने बताया कि नगर निगम, ट्रांसपोर्ट ब्रांच और आरटीओ के समन्वय से कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं और जल्द ही आवश्यक यातायात बदलावों के लिए पायलट बेसिस पर एक नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा।

अधिकारियों की मौजूदगी और निगरानी बढ़ेगी

बैठक में यह भी सुझाव दिया गया कि स्टेशन एरिया जैसे संवेदनशील हिस्सों में ट्रैफिक ब्रांच के साथ-साथ आरटीओ अधिकारी भी तैनात रहें, ताकि नियमों का सख्ती से पालन कराया जा सके। इस अवसर पर यातायात शाखा के पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाट, आरटीओ अधिकारी गोसावी, नौपाड़ा वार्ड समिति के सहायक आयुक्त महेश पाटिल, सहायक आयुक्त श्रीमती भोईर, पूर्व उपमहापौर एडवोकेट सुभाष काले, नगरसेवक और व्यापारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संयुक्त बैठक में लिए गए अहम फैसले

शहर की ट्रैफिक समस्या के स्थायी समाधान को लेकर विधायक संजय केलकर की पहल पर तीन हट नाका स्थित ट्रांसपोर्ट ब्रांच कार्यालय में एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में ट्रांसपोर्ट ब्रांच, नगर निगम, आरटीओ के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक शामिल हुए।

अनधिकृत वाहनों और अवैध पार्किंग से परेशानी

घोड़बंदर, स्टेशन एरिया, वर्तकनगर और सेंट्रल ठाणे जैसे इलाकों में भारी वाहनों, निजी बसों, मीटर व शेयर्ड रिक्शाओं के अनधिकृत आवागमन और अवैध पार्किंग के कारण रोजाना ट्रैफिक जाम की स्थिति बन रही है। इससे आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने के लिए शहर में करीब दो हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, हालांकि बेहतर ट्रैफिक प्लानिंग के लिए यातायात शाखा में मानव बल की कमी को लेकर आगामी सत्र में मांग रखी जाएगी।

1200 करोड़ का 'ट्रेड विद जैज' महाघोटाला

1500 पुलिसकर्मी भी हुए ठगी का शिकार
पीड़ितों ने ठाणे सीपी दफ्तर घेरा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

जिले में निवेश के नाम पर हुई एक और बड़ी धोखाधड़ी ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। 'ट्रेड विद जैज' (Trade With Jazz) नामक कंपनी द्वारा किए गए करीब 1,200 करोड़ रुपये के निवेश घोटाले के खिलाफ सोमवार को सैकड़ों पीड़ितों ने ठाणे पुलिस आयुक्त कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए त्वरित जांच और डूबे हुए पैसे की वापसी की मांग की।

शेयर बाजार के नाम पर बुना गया ठगी का जाल

पुलिस जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी समीर नार्वेकर, उसकी पत्नी नेहा और सहयोगी अमित बालम ने वर्ष 2019 में पुणे में 'ट्रेड विद जैज' कंपनी की शुरुआत की थी। आरोपियों ने निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश पर हर महीने 4 प्रतिशत रिटर्न का लालच दिया। शुरुआत में कुछ निवेशकों को मुनाफा देकर भरोसा जीता गया, फिर बड़ी रकम जुटाने के बाद अचानक कंपनी के दफ्तर बंद कर दिए गए और संपर्क पूरी तरह तोड़ लिया गया। आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने पिछले महीने इस मामले में तीनों मुख्य आरोपियों को गुजरात से गिरफ्तार किया है। फिलहाल ईओडब्ल्यू आरोपियों के बैंक खातों, संपत्तियों और लेनदेन की गहन जांच कर रही है ताकि घोटाले की पूरी रकम का पता लगाया जा सके और पीड़ितों को राहत दिलाई जा सके।

11,000 निवेशक ठगी के शिकार, 1,500 पुलिसकर्मी भी शामिल

इस घोटाले की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि ठगी का शिकार होने वालों में आम नागरिकों के साथ-साथ कानून के रखवाले भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों के लगभग 11,000 निवेशक इससे प्रभावित हुए हैं, जिनमें करीब 1,500 पुलिसकर्मी भी शामिल बताए जा रहे हैं। पुणे, कोल्हापुर, जलगांव और रत्नागिरी सहित कई जिलों से आए पीड़ितों ने पुलिस आयुक्त कार्यालय का मुख्य द्वार जाम कर दिया।

अवैध खनन करने वालों पर शिकंजा

118 करोड़ का जुर्माना वसूला, 108 लोगों पर एफआईआर

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे में बड़े पैमाने पर चल रहे निर्माण कार्यों के बीच अवैध खनन के मामलों में बढ़ोतरी सामने आई है। जिलाधिकारी श्रीकृष्ण पांचाल के निर्देश पर तहसीलदार ने कार्रवाई करते हुए अवैध खनन में शामिल लोगों से लगभग 118 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूलने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई अनधिकृत रूप से लघु खनिज और मिट्टी उत्खनन के मामलों को लेकर की गई है।

108 डेवलपर, ठेकेदार और भू-मालिकों पर FIR

अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में 108 डेवलपर, ठेकेदार और भू-मालिकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं। ठाणे और नवी मुंबई क्षेत्र में बिल्डरों द्वारा किए गए अवैध उत्खनन को लेकर महाराष्ट्र भूमि राजस्व संहिता के तहत पहले ही जुर्माना लगाया गया था, लेकिन भुगतान नहीं होने के कारण अब कड़ी कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं।

जुर्माना नहीं भरने पर आपराधिक कार्रवाई

प्रशासन अब खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 के प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई कर रहा है, जिसमें आपराधिक अभियोजन की अनुमति है। इन प्राथमिकी की स्थिति पर रिपोर्ट देने के लिए मंडल अधिकारियों को समय-सीमा दी गई थी। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि जुर्माना नहीं भरने की स्थिति में संबंधितों के खिलाफ और भी सख्त कदम उठाए जाएंगे।

फाइलेरिया उन्मूलन अभियान की शुरुआत

10 से 23 फरवरी तक चलेगा एमडीए अभियान

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

राज्य में फाइलेरिया उन्मूलन के उद्देश्य से 10 फरवरी से सामूहिक दवा सेवन कार्यक्रम (एमडीए) की शुरुआत ठाणे जिले के भिवंडी तालुके से की जा रही है। यह अभियान 23 फरवरी तक चलेगा। हांथी पांव से सर्वाधिक प्रभावित भिवंडी में जनजागरण के लिए मोबाइल आरोग्य वैन का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसका उद्घाटन मुख्य कार्यकारी अधिकारी रणजीत यादव ने हरी झंडी दिखाकर किया।

6 जिलों के 16 तालुकों में बड़े पैमाने पर मुहिम

यह निर्मूलन अभियान ठाणे, पालघर, छत्रपति संभाजीनगर, गढ़चिरौली समेत राज्य के 6 जिलों के 16 तालुकों में चलाया जाएगा। यह पहल जिला मलेरिया अधिकारी कार्यालय, ठाणे और Godrej Embed – FHI संस्था के संयुक्त सहयोग से की जा रही है। अभियान के तहत सेविका और स्वास्थ्य कर्मचारी घर-घर जाकर नागरिकों को फाइलेरिया से बचाव की दवाएं देंगे। भिवंडी तालुके में 7 लाख 12 हजार 49 लोगों को दवाइयां देने का लक्ष्य तय किया गया है।

हाथी पांव से बचाव पर जोर, दवा वितरण की विशेष व्यवस्था

हाथी पांव संक्रमित मच्छरों के काटने से फैलने वाली गंभीर बीमारी है, जिससे स्थायी सूजन और अपंगत्व हो सकता है। इसका कोई स्थायी इलाज नहीं है, इसलिए बचाव ही सबसे प्रभावी उपाय है। अभियान के तहत भिवंडी तालुके में डीईसी और अल्बेंडाजोल की संयुक्त खुराक दी जाएगी, जिसके लिए 531 दस्ते तैयार किए गए हैं। हालांकि दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को यह दवा नहीं दी जाएगी।

ठाणे मनोचिकित्सालय ने दी 2384 लोगों को जिंदगी

"मानसिक मरीज हमारे लिए केवल केस नहीं, बल्कि इंसान हैं। दवाओं के साथ प्यार और भरोसा मिले तो मरीज फिर से अपने पैरों पर खड़ा हो सकता है।
– डॉ. नेताजी मुलिक, अस्पताल निदेशक

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

अंधेरे, गुमनामी और अकेलेपन में जीने को मजबूर हज़ारों मानसिक रूप से बीमार मरीजों के लिए ठाणे मनोचिकित्सालय उम्मीद की किरण बनकर उभरा है। दवाओं की सीमाओं से आगे बढ़ते हुए इस संस्थान ने इंसानियत का हाथ बढ़ाया और एक वर्ष में 2,384 मरीजों को नई ज़िंदगी की ओर लौटाने का ऐतिहासिक कार्य किया। अपनों द्वारा ठुकराए गए और समाज से कट चुके इन मरीजों को फिर से सम्मान और भरोसे के साथ जीवन जीने का अवसर मिला है।

Unknown Patient reunited with relatives.

परिवार में वापसी सबसे बड़ी चुनौती

मानसिक रोगियों के लिए अस्पताल की तुलना में घर का माहौल अधिक सुरक्षित और उपचारक माना जाता है, लेकिन हकीकत में यह राह आसान नहीं होती। कई मरीज अनजान होते हैं या परिवार उन्हें अपनाने में झिझकता है। इसके बावजूद जनवरी 2025 से 2026 के बीच ठाणे मनोचिकित्सालय ने हार न मानते हुए 2,257 मरीजों के परिवारों की काउंसलिंग की और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लौटने का मौका दिलाया। यह प्रयास सामाजिक सोच बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हुआ।

अनजान और बेसहारा मरीजों को मिला सहारा

इस मानवीय मुहिम के तहत अस्पताल ने 44 अनजान मरीजों की पहचान कर उन्हें उनके गांव और परिवारों तक पहुंचाया। वर्षों से अस्पताल में रह रहे 34 मरीजों को डॉक्टरों और स्टाफ ने स्वयं एस्कॉर्ट बनकर सुरक्षित घर पहुंचाया। वहीं, जिन 49 बेसहारा मरीजों का कोई सहारा नहीं था, उन्हें गरिमापूर्ण ढंग से रिहैबिलिटेशन सेंटर में भर्ती कराकर व्यावसायिक रूप से सक्षम बनाया गया, जिससे अस्पताल ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी और संरक्षक की भूमिका को बखूबी निभाया।

इलाज नहीं, आत्मसम्मान के साथ पुनर्वास

समाज में आज भी मानसिक बीमारी को लेकर भ्रम और संदेह बना हुआ है, लेकिन ठाणे रीजनल साइकेट्रिक हॉस्पिटल का मानना है कि इलाज तभी पूरा होता है जब मरीज आत्मसम्मान के साथ समाज में जी सके। इसी सोच के तहत वोकेशनल ट्रेनिंग, स्किल डेवलपमेंट और आत्मनिर्भरता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आज 2,384 ज़िंदगियां जो फिर से मुस्कुरा रही हैं, वही इस अस्पताल की सबसे बड़ी पहचान और सफलता है।

अब जिला पंचायत में भी उद्धव ठाकरे को झटका

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के लिए 2026 की शुरुआत राजनीतिक चुनौतियों का पहाड़ लेकर आई है। हालिया नगर निगम, नगर परिषद और जिला परिषद चुनावों के नतीजों ने पार्टी की पकड़ पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। विशेष रूप से मुंबई महानगरपालिका (BMC), जिसे ठाकरे परिवार का अभेद्य किला माना जाता था, अब उनके हाथ से निकल चुका है। 16 जनवरी 2026 को आए नतीजों में महायुति (भाजपा-शिंदे-अजित पवार) ने 118 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल किया, जबकि यूबीटी को भारी नुकसान उठाना पड़ा। विधानसभा और स्थानीय निकाय चुनावों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अब जिला पंचायतों में भी शिवसेना (यूबीटी) का ग्राफ गिरता नजर आ रहा है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने न केवल 'असली शिवसेना' का कानूनी दर्जा हासिल किया, बल्कि चुनावी मैदान में भी बेहतर प्रदर्शन कर ठाकरे गुट की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। बीएमसी सहित 29 नगर निगमों में महायुति के वर्चस्व ने उद्धव ठाकरे के सामने अपनी पार्टी के अस्तित्व और कार्यकर्ताओं के मनोबल को बनाए रखने की गंभीर चुनौती पेश कर दी है।

राज्यसभा का जटिल समीकरण: सात सीटों पर संघर्ष

अप्रैल 2026 में महाराष्ट्र से राज्यसभा की सात सीटें खाली हो रही हैं, जिनमें दिग्गज नेता शरद पवार, प्रियंका चतुर्वेदी, रजनी पाटिल और रामदास अठावले जैसे नाम शामिल हैं। मौजूदा विधानसभा संख्या बल के अनुसार, महायुति को 6 सीटें आसानी से मिल सकती हैं। विपक्ष (MVA) के पास केवल एक सीट जीतने लायक आंकड़े हैं, जिसके लिए शरद पवार या प्रियंका चतुर्वेदी जैसे नेताओं के बीच कड़ी रस्साकशी हो सकती है। विपक्ष को एक सीट सुरक्षित करने के लिए कांग्रेस, यूबीटी और शरद पवार गुट के सभी विधायकों को एकजुट रखना होगा, जो वर्तमान दलबदल के माहौल में चुनौतीपूर्ण है।

विधायकों की एकजुटता और क्रॉस वोटिंग का डर

राज्यसभा और विधान परिषद के चुनावों में 'क्रॉस वोटिंग' का खतरा हमेशा बना रहता है। उद्धव ठाकरे के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने बचे हुए 20 विधायकों को टूटने से बचाना है। महायुति की आक्रामक रणनीति और स्थानीय निकायों में मिली हार के बाद, यूबीटी के कई विधायक अपने भविष्य को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। आने वाले तीन महीने यह तय करेंगे कि उद्धव ठाकरे अपनी पार्टी के विधायकों को एकजुट रखकर सदन में अपनी उपस्थिति दर्ज करा पाते हैं या उनकी राजनीतिक ताकत और अधिक क्षीण होगी।

विधान परिषद और उद्धव ठाकरे की सीट पर खतरा

मई 2026 में विधान परिषद (MLC) की 9 सीटें रिक्त होने जा रही हैं, जिनमें खुद उद्धव ठाकरे का नाम भी शामिल है। उद्धव ठाकरे का कार्यकाल 13 मई 2026 को समाप्त हो रहा है। विधानसभा में केवल 20 विधायकों के साथ, यूबीटी के लिए उद्धव ठाकरे को दोबारा सदन भेजने हेतु आवश्यक कोटा (लगभग 26-27 वोट) जुटाना मुश्किल होगा। उन्हें कांग्रेस (16 विधायक) और एनसीपी-एसपी (10 विधायक) के पूर्ण समर्थन की जरूरत होगी। यदि सहयोगी दलों ने अपना उम्मीदवार उतारने या समर्थन न देने का फैसला किया, तो उद्धव ठाकरे के लिए अपनी ही सीट बचाना नामुमकिन हो सकता है।

मनपा को स्पा सेंटर संचालित करने के लिए लाइसेंस देने का अधिकार नहीं

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य में स्पा सेंटरों को लेकर कानून पूरी तरह स्पष्ट है। सूचना अधिकार कार्यकर्ता और लॉ स्टूडेंट रूपेश रविढोने को आरटीआई के तहत मिले लिखित जवाब में नवी मुंबई महानगरपालिका के लाइसेंस विभाग के तत्कालीन अधीक्षक तात्यासाहेब गायकवाड ने स्पष्ट किया है कि महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम की धारा 376 के तहत किसी भी महानगरपालिका को स्पा सेंटरों को लाइसेंस या अनुमति देने का अधिकार ही नहीं है। यानी कानूनी रूप से महानगरपालिका क्षेत्रों में स्पा सेंटर संचालन की कोई वैध व्यवस्था मौजूद नहीं है, इसके बावजूद मुंबई और उपनगरों में दर्जनों स्पा सेंटर खुलेआम चलते दिखाई दे रहे हैं।

अनैतिक गतिविधियों के गंभीर आरोप

आरटीआई कार्यकर्ता रूपेश रविढोने ने मुख्यमंत्री समेत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिखकर शिकायत की है कि मुंबई शहर में कई स्थानों पर मसाज की आड़ में अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। कुछ मामलों में नाबालिग लड़कियों के शोषण और अवैध देह व्यापार के गंभीर आरोप भी सामने आए हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि इन केंद्रों में कॉलेजों में पढ़ने वाले युवक-युवतियों की भागीदारी बढ़ती जा रही है, जो सामाजिक और नैतिक दृष्टि से चिंताजनक है। रविढोने के अनुसार सीएसटी, कोलाबा, ग्रांट रोड, बांद्रा, अंधेरी, गोरेगांव, बोरीवली, मीरा रोड और ठाणे सहित कई इलाकों में करीब 21 स्पा सेंटरों के संचालन की लिखित जानकारी पुलिस को सौंपी गई है।

कार्रवाई के बाद तंत्र की खामोशी पर सवाल

दो वर्ष पूर्व वर्ली में एक स्पा सेंटर मालिक की हत्या के बाद मुंबई पुलिस ने स्पा सेंटरों पर सख्ती दिखाई थी, लेकिन अब वह ढीलती नजर आ रही है। पूर्व में चेंबूर पुलिस द्वारा स्पा सेंटर से जुड़े मामले में फरजान शेख के खिलाफ कार्रवाई यह दर्शाती है कि समस्या नई नहीं है। सवाल यह उठ रहा है कि जब कानून में अनुमति का प्रावधान ही नहीं है, तो ये सेंटर किस आधार पर चल रहे हैं!

महापौर अपनी जिम्मेदारियों से भाग रही हैं : अशरफ आजमी

धीरज सिंह । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) में नवनिर्वाचित पार्षदों के कार्यभार संभालने के साथ ही राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। कांग्रेस पार्टी के गटनेता अशरफ आजमी ने भाजपा की महापौर उम्मीदवार रितु तावड़े के बयानों को 'गुमराह करने वाला' बताते हुए कड़ा प्रहार किया है। सोमवार को पार्टी कार्यालय का जायजा लेने के दौरान आजमी ने कहा कि महापौर अपनी वास्तविक जिम्मेदारियों से ध्यान भटकाने के लिए अनावश्यक मुद्दों का सहारा ले रही हैं।

अवैध घुसपैठ और भाजपा की सत्ता पर सवाल

अशरफ आजमी ने भाजपा द्वारा उठाए गए 'अवैध बांग्लादेशी' नागरिकों के मुद्दे पर पलटवार करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों से केंद्र में और अधिकांश समय राज्य में भाजपा की ही सत्ता रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि शहर में अवैध नागरिक रह रहे हैं, तो इतने वर्षों में उन्हें बाहर क्यों नहीं निकाला गया? आजमी के अनुसार, भाजपा अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए अचानक चुनाव के बाद ऐसे मुद्दों को हवा दे रही है, जबकि उनके पास अवैध प्रवासियों की संख्या का कोई सटीक आंकड़ा तक नहीं है।

प्रशासक राज और 90 हजार करोड़ का मुद्दा

बीएमसी में पिछले चार वर्षों से जारी प्रशासक राज को लेकर कांग्रेस ने महायुति सरकार पर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। अशरफ आजमी ने दावा किया कि इस अवधि के दौरान मुंबईकरों के टैक्स के पैसों का दुरुपयोग किया गया और नगर निगम की लगभग 90 हजार करोड़ रुपये की जमा राशि (एफडी) को विकास के नाम पर खर्च कर दिया गया। कांग्रेस ने इस खर्च की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन से 'श्वेत पत्र' (White Paper) जारी करने की मांग की है। गटनेता ने स्पष्ट किया कि मनपा का प्राथमिक कार्य नागरिकों को स्वच्छ पेयजल, उच्च स्तरीय शिक्षा, चिकित्सा सुविधाएं और सफाई उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नगरसेवक सदन में भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाएंगे और बेस्ट (BEST) सेवा तथा प्रदूषण जैसे ज्वलंत मुद्दों पर प्रशासन को घेरेंगे।

अवैध बांग्लादेशी नागरिकों पर सख्ती

पुलिस ने 30 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

मुंबई। मुंबई पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ अभियान तेज करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। बीते कुछ दिनों में शहर के अलग-अलग इलाकों से कुल 30 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। ये सभी लंबे समय से फर्जी पहचान पत्रों और दस्तावेजों के सहारे मुंबई में रह रहे थे। पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर डिपोर्टेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे नौकरी और मकान

यह कार्रवाई विदेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है, जिसमें मुंबई पुलिस की विभिन्न इकाइयां शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इन लोगों ने फर्जी आधार कार्ड, राशन कार्ड समेत अन्य भारतीय दस्तावेज बनवाकर नौकरी, मकान और अन्य सुविधाएं हासिल की थीं। कई मामलों में एजेंटों की मदद से फर्जीवाड़ा किए जाने की बात सामने आई है। खुफिया सूचनाओं के आधार पर की गई छापेमारी में इन्हें अलग-अलग ठिकानों से पकड़ा गया। पूछताछ के बाद हिरासत में लिए गए लोगों की बांग्लादेशी नागरिकता की पुष्टि हो गई है।

13 मंजिला इमारत में लगी भीषण आग

बिजनेसमैन जीतू सात्रा के भाई की पत्नी जिंदा जली, बेटी गंभीर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के विले पार्ले इलाके में एक बहुत बुरी घटना हुई है। सोमवार सुबह मशहूर बिल्डर जीतू सात्रा की बिल्डिंग में भीषण आग लग गई। इस आग में सात्रा परिवार की एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई और एक अन्य महिला घायल हो गई। इस घटना से हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने बताया कि सूचना मिलने के बाद दमकल की कम से कम पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

कैसे लगी आग?

जब आग लगने की घटना हुई तो विले पार्ले इलाके में काफी हंगामा हो गया। इस घटना की जानकारी तुरंत फायर ब्रिगेड को दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। फायर ब्रिगेड के लोगों ने आग पर काबू पाने की पूरी कोशिश की। कुछ देर पहले ही पूरी आग बुझा दी गई। अधिकारियों ने कहा कि आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

आग का वीडियो वायरल

यह घटना आज सुबह करीब 10 बजे हुई। शुरुआत में आग 13वीं मंजिल पर लगी। फिर आग 14वीं मंजिल तक फैल गई। इस घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि घटना में दो महिलाएं घायल हुईं और दोनों को पास के नानावती अस्पताल ले जाया गया है, जहां डॉक्टरों ने उनमें से एक भावना सात्रा (63) को मृत घोषित कर दिया है।

कहां और कब लगी आग?

आग विले पार्ले (पूर्व) स्थित बिल्डर जीतू सात्रा की 'सुविधा पर्ल' बिल्डिंग में सोमवार सुबह लग गई। यह भीषण आग बिल्डिंग की 13वीं मंजिल पर लगी। इस आग में जीतू सात्रा के भाई की पत्नी की मौत हो गई है। इस घटना में जीतू सात्रा की बेटी अनेरी गंभीर रूप से घायल हो गई है। उसका अभी हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। खास बात यह है कि जीतू सात्रा के बेटे की मंगलवार को शादी थी। इसलिए उनके सभी रिश्तेदार उनके घर पहुंच गए थे।

भाजपा की मंजूषा पुणे की निर्विरोध मेयर बनीं

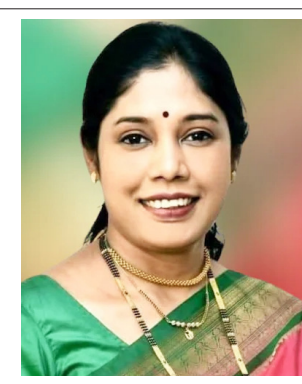

पुणे। भारतीय जनता पार्टी की मंजूषा नागपुरे पुणे नगर निगम की मेयर निर्विरोध चुनी गईं। आरपीआई (ए) के परशुराम वाडेकर डिप्टी मेयर बने। सोमवार को एनसीपी की शीतल सावंत और कांग्रेस नेता अश्विनी लांडगे ने मेयर चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया। वहीं, एनसीपी के दत्तात्रेय बहिरात और कांग्रेस के साहिल केदारी ने डिप्टी मेयर पद से नाम वापस लिया। इससे दोनों पदों पर निर्विरोध चुनाव का रास्ता साफ हो गया।

पश्चिम रेलवे

रखरखाव कार्य

वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता (सब),पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल **ई-निविदा संख्या: WR-MMCTOESUB (ESPT)/19/2025 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** मुंबई उपनगरीय खंड के चर्चगेट – विरार सेक्शन में PSI प्रणाली के अंतर्गत 110/25 केवी ए.सी. उपकरणों का वार्षिक अनुसूचित रखरखाव कार्य तथा सभी TRD उपकरणों की थर्मल विज़न जाँच। **कार्य की अनुमानित लागत:** 2,13,56,350/- **बोली जमानत** : 2,56,800/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 02.03.2026 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 02.03.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाइट देखें: www.ireps.gov.in 1091

हमें लाइक करें: X.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सुधार कार्य

मंडलीय रेलवे प्रबंधक (WA), पश्चिम रेलवे,छठी मंज़िल, इंजीनियरिंग विभाग,मुंबई सेंट्रल, मुंबई – 400 008 **ई-निविदा सूचना संख्या: BCT/25-26/313 दिनांक: 03.02.2026v आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम एवं स्थान:** मुंबई सेंट्रल – परिक्रमा क्षेत्र की सतह सुधार एवं जल निकासी का सुधार कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** 4,31,46,919., **EMD:** 3,65,700/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 27.02.2026 को 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 27.02.2026 को 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 1093

हमें लाइक करें: X.com/WesternRly

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के आरोपी को जमानत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोपी आकाशदीप करज सिंह को जमानत दे दी है। न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने यह राहत सुनवाई पूरी होने तक दी है और आरोपी को मुंबई न छोड़ने का निर्देश भी दिया गया है। आकाशदीप इस हत्याकांड में जमानत पाने वाला पहला आरोपी है।

जमानत याचिका में क्या कहा गया?

आरोपी आकाशदीप को नवंबर 2024 में गिरफ्तार किया गया था। उसने जमानत याचिका में दावा किया कि उसे इस मामले में झूठा फंसाया गया है और उस पर लगाए गए आरोप अस्पष्ट व निराधार हैं। उसके वकील ने दलील दी कि इस मामले की सुनवाई निकट भविष्य में शुरू होने की संभावना नहीं है और बिना सुनवाई के लंबे समय तक कारावास उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

केस डायरी

गौरतलब है कि 12 अक्तूबर 2024 की रात बांद्रा ईस्ट इलाके में बाबा सिद्दीकी की उनके बेटे जीशान के कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने जनवरी में आरोपपत्र दाखिल किया है, जिसमें जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को वांछित आरोपी बताया गया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, अनमोल बिश्नोई ने गिरोह में भय और वर्चस्व स्थापित करने के लिए हत्या की साजिश रची थी। इस मामले में अब तक 26 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और सभी के खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई की गई है।

सुनेत्रा पवार आज संभालेगी उपमुख्यमंत्री का पदभार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पूर्व उपमुख्यमंत्री दिवंगत अजीत पवार के निधन बाद उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाली सुनेत्रा पवार मंगलवार को पदभार संभालेंगी और पहली बार कैबिनेट की बैठक में हिस्सा लेंगी। सुनेत्रा पवार महाराष्ट्र की पहली महिला उपमुख्यमंत्री हैं। उन्होंने पिछले सप्ताह उपमुख्यमंत्री के पद व गोपनीयता की शपथ ली थी। राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह के बाद वह बिना कोई फॉर्मल प्रोग्राम किए सीधे बारामती के लिए रवाना हो गई थीं। अजीत पवार के निधन बाद पवार परिवार पर आए दुख को देखते हुए, उन्होंने कुछ दिनों के लिए सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहने का फैसला किया था। अजीत पवार के अंत्य विधि के कार्यक्रमों के पूरा होने के बाद वह अब सक्रिय हुई हैं।

मंगलवार को राज्य कैबिनेट बैठक होगी। इस मीटिंग के लिए सुनेत्रा पवार पहली बार मंत्रालय आएंगी। मंत्रालय में अपने कार्यालय में पदभार संभालने के बाद वह बतौर उपमुख्यमंत्री मंत्रिमंडल की बैठक में शामिल होंगी। इसके बाद वह विधान भवन में बजट सत्र के लिए आयोजित विधानमंडल सलाहकार समिति की बैठक में हिस्सा लेंगी। फिर एनसीपी (एपी) कार्यालय जाएंगी। एनसीपी (एसपी) के मुखिया शरद पवार की तबीयत सोमवार को खराब हो गई। उन्हें सांस लेने में शिकायत के कारण पुणे के रूबी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुनेत्रा ने सोमवार शाम को अस्पताल जाकर शरद पवार की तबीयत का हालचाल जाना।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

क्रमांकः उप मुख्य अभियंता/यांत्रिक एवं विद्युत (M&E)/3556/डब्ल्यू.एस. दिनांकः 09.02.2026

निविदा सूचना

बृहन्मुंबई के मनपा आयुक्त, पात्र निविदादारों से निम्नलिखित कार्यों के लिए आइटम रेट आधार पर ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित करते हैं। निविदा प्रारंभ एवं समाप्ति की तिथि एवं समय का विवरण, महानगरपालिका की वेबसाइट के "Tenders" अनुभाग में उपलब्ध विस्तृत निविदा सूचना में दिया गया है।

विभागः मुख्य अभियंता (M&E)	शाखाः उप मुख्य अभियंता (M&E), W.S.
निविदा क्रमांक एवं कार्य विवरण	**1. निविदा क्रमांकः 2026_MCGM_1274419_1** **2. निविदा क्रमांकः 2026_MCGM_1275028_1**
कार्य का विवरण	1. के/पश्चिम प्रभाग अंतर्गत ओशिवरा कब्रिस्तान, अंधेरी (पश्चिम) स्थित विद्युत शवदाह गृह के लिए त्रैवार्षिक (3 वर्ष) गैर-समग्र रखरखाव अनुबंध। 2. डॉ. आर. एन. कूपर महानगरपालिका सामान्य अस्पताल में स्थित NSTC भवन, स्टाफ एवं अधिकारी आवास, बालक एवं बालिका छात्रावास में सौर जल ताप प्रणाली (Solar Water Heating System) के लिए त्रैवार्षिक रखरखाव अनुबंध।
बोली प्रारंभ तिथि एवं समय बोली समाप्ति तिथि एवं समय	10.02.2026 को प्रातः 11:00 बजे 16.02.2026 को सायं 4:00 बजे
संपर्क विवरण a) नाम b) दूरभाष क्रमांक c) ई-मेल आईडी	कार्यकारी अभियंता (M&E), W.S.-II श्री नितिन विंदे 022-29675862 eews02.me@mcgm.gov.in

इच्छुक निविदादार विस्तृत जानकारी हेतु महानगरपालिका की वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in या NIC पोर्टल https://mahatenders.gov.in पर अवलोकन करें।
निविदा दस्तावेज डाक/कूरियर द्वारा जारी या स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

हस्ता/-
पीआरओ/2931/विज्ञा./2025-26 कार्यकारी अभियंता (M&E), W.S.-II

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

पैसे की अंधी दौड़ में खोती संवेदनाएं

बेंगलुरु में घटी वह हृदयविदारक घटना, जिसमें ससुराल पक्ष द्वारा कथित रूप से बहू को वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया गया और तंग आकर महिला ने आत्महत्या कर ली, केवल एक आपराधिक मामला नहीं है। यह हमारे समाज के भीतर गहराई तक पैठ चुकी उस सोच का प्रतिबिंब है, जिसमें इंसान की गरिमा से अधिक महत्व पैसे को दे दिया गया है। इस घटना की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। यह प्रश्न केवल एक परिवार या एक शहर तक सीमित नहीं है। यह पूरे समाज के सामने खड़ा एक गंभीर सवाल है कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। रिश्ते, विश्वास, सम्मान और मानवीय संवेदनाएं—ये सब जीवन के मूल तत्व माने जाते थे, लेकिन आज पैसा इन सब पर भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। जिस घर में एक बेटी सपने लेकर बहू बनकर जाती है, वही घर अगर उसके लिए बाजार बन जाए, तो इससे बड़ा दुर्भाग्य और क्या हो सकता है। भारतीय संस्कृति में विवाह को दो आत्माओं और दो परिवारों का पवित्र बंधन माना गया है। बहू को बेटी का दर्जा देने की परंपरा की बात हम अक्सर करते हैं, लेकिन वास्तविकता इसके ठीक उलट नजर आती है। दहेज, लालच, संपत्ति और अब इस तरह के अमानवीय दबाव—ये सब इस बात का संकेत हैं कि समाज के मूल मूल्य लगातार कमजोर होते जा रहे हैं। पैसे की चाह इतनी बढ़ गई है कि कुछ लोग इंसान को भी कमाई का साधन समझने लगे हैं। यह घटना केवल एक महिला की मौत नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक चेतना की भी मौत है, जो कभी हमारे समाज की पहचान हुआ करती थी। जब परिवार ही शोषण का केंद्र बन जाए, तो फिर महिला के पास सहारे के लिए बचता ही क्या है? ऐसे मामलों में अक्सर पीड़िता अकेली पड़ जाती है, क्योंकि समाज में आज भी घरेलू हिंसा और मानसिक प्रताड़ना को उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता, जितनी जरूरत है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि पैसा आखिर इतना महत्वपूर्ण कैसे हो गया कि इंसानियत ही पीछे छूट गई। पैसा जीवन का साधन होना चाहिए, लक्ष्य नहीं। लेकिन आज स्थिति यह हो गई है कि लोग पैसा कमाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। रिश्ते, नैतिकता और कानून—सब कुछ पैसा कमाने की दौड़ में गौण होता जा रहा है। ऐसी घटनाएं यह भी बताती हैं कि केवल कानून बना देना ही पर्याप्त नहीं है। समाज में नैतिक शिक्षा, मानवीय मूल्यों और स्त्री सम्मान के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ाने की जरूरत है। परिवार ही वह पहला विद्यालय होता है, जहां इंसान अच्छे-बुरे का अंतर सीखता है। यदि वहीं लालच और अमानवीय सोच को बढ़ावा मिलेगा, तो समाज में ऐसी घटनाएं बढ़ना स्वाभाविक है। सरकार और कानून व्यवस्था को भी ऐसे मामलों में त्वरित और कठोर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि यह संदेश स्पष्ट रूप से जाए कि किसी महिला की गरिमा से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही समाज को भी आत्ममंथन करना होगा कि हम अपने बच्चों को किस तरह के मूल्य दे रहे हैं। यह घटना हमें झकझोरने वाली है। यह केवल एक परिवार की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यदि हम अब भी नहीं चेते, तो पैसे की यह अंधी दौड़ हमें उस मोड़ पर ले जाएगी, जहां इंसानियत, रिश्ते और संवेदनाएं केवल किताबों की बातें बनकर रह जाएंगी।

नंबरों की दौड़ में खोता शिक्षा का असली उद्देश्य

-देवेंद्रनाथ जैसवार

हमारी शिक्षा व्यवस्था कहीं न कहीं अपने मूल उद्देश्य से भटक गई है। शिक्षा का काम बच्चों को जीवन के लिए तैयार करना है, न कि उन्हें केवल अंकों की मशीन बना देना। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इस दिशा में कुछ सकारात्मक बदलावों की बात की गई है। इसमें रटने की संस्कृति को कम करने, कौशल आधारित शिक्षा, बहुविषयक अध्ययन और निरंतर मूल्यांकन पर जोर दिया गया है। यदि इन सुधारों को सही तरीके से लागू किया जाए, तो शिक्षा व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आ सकता है। लेकिन इसके लिए केवल नीति ही नहीं, बल्कि सोच में बदलाव भी जरूरी है।

भारत में फरवरी-मार्च का समय आते ही घर-घर में एक ही चर्चा शुरू हो जाती है परीक्षाएं, प्रतिशत और परिणाम। बच्चों के चेहरे पर चिंता, अभिभावकों की बेचैनी और कोचिंग संस्थानों की बढ़ती भीड़ यह बताती है कि शिक्षा अब ज्ञान की यात्रा कम और अंकों की दौड़ ज्यादा बन चुकी है। आज किसी छात्र की योग्यता, उसकी समझ, उसकी रचनात्मकता या उसके संस्कार से अधिक महत्व इस बात को दिया जाता है कि उसे परीक्षा में कितने नंबर मिले। भारतीय शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से परीक्षा-केंद्रित रही है।

यहां पढ़ाई का अर्थ अक्सर रटना और परीक्षा में उसे लिख देना माना जाता है। बच्चे पूरे वर्ष पाठ्यपुस्तकों को याद करने में लगे रहते हैं और परीक्षा के बाद बहुत कुछ भूल जाते हैं। इस व्यवस्था में वही छात्र सफल माना जाता है, जिसे अधिक अंक मिलते हैं, जबकि कम अंक पाने वाला छात्र अक्सर हीन भावना से ग्रस्त हो जाता है। इससे बच्चों का आत्मविश्वास कमजोर होता है और शिक्षा का मूल उद्देश्य पीछे छूट जाता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं है। उसका असली लक्ष्य एक ऐसे मनुष्य का निर्माण करना है, जो सोचने-समझने वाला, संवेदनशील, रचनात्मक और जिम्मेदार नागरिक बने। प्राचीन भारतीय गुरुकुल परंपरा में भी शिक्षा का अर्थ जीवन जीने की कला सीखना था।

वहां चरित्र निर्माण, अनुशासन, सेवा और ज्ञान का संतुलन सिखाया जाता था। लेकिन आधुनिक व्यवस्था में यह संतुलन कहीं खो गया है और अंकों की होड़ ने शिक्षा को संकीर्ण बना दिया है। यदि हम दुनिया के अन्य देशों की शिक्षा व्यवस्था देखें, तो वहां शिक्षा का दृष्टिकोण कहीं अधिक व्यापक दिखाई देता है। उदाहरण के तौर पर फिनलैंड को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ शिक्षा प्रणालियों में गिना जाता है। वहां प्रारंभिक कक्षाओं में औपचारिक परीक्षाएं नहीं होतीं। बच्चों पर अंक लाने का दबाव नहीं डाला जाता, बल्कि उन्हें खेल-खेल में सीखने, प्रश्न पूछने और अपनी रुचि के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर दिया जाता है।

वहां शिक्षक को समाज में अत्यंत सम्मान प्राप्त है और शिक्षा का उद्देश्य बच्चों का समग्र विकास है।

जापान की शिक्षा व्यवस्था भी एक अलग उदाहरण प्रस्तुत करती है। वहां शुरुआती वर्षों में बच्चों को नैतिकता, अनुशासन और सामूहिकता का पाठ पढ़ाया जाता है। विद्यालयों में बच्चे स्वयं सफाई करते हैं, एक-दूसरे की मदद करते हैं और समूह में काम करना सीखते हैं। इससे उनमें आत्मनिर्भरता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है। जापान में शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के व्यवहारिक पाठों से जुड़ी हुई है। अमेरिका और कई यूरोपीय देशों में परियोजना आधारित शिक्षा पर जोर दिया जाता है। वहां बच्चे प्रयोग, शोध, प्रस्तुति और समूह कार्य के माध्यम से सीखते हैं। उनकी मूल्यांकन प्रणाली भी बहुआयामी होती है, जिसमें प्रोजेक्ट, प्रस्तुति, व्यवहार, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मकता को भी महत्व दिया जाता है। इससे बच्चों की अलग-अलग प्रतिभाएं सामने आती हैं और वे आत्मविश्वास के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना कर पाते हैं। इसके विपरीत भारत में परीक्षा का दबाव बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डाल रहा है। हर वर्ष परीक्षा परिणामों के बाद तनाव और अवसाद से जुड़ी कई दुखद घटनाएं सामने आती हैं।

यह स्थिति इस बात का संकेत है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था कहीं न कहीं अपने मूल उद्देश्य से भटक गई है। शिक्षा का काम बच्चों को जीवन के लिए तैयार करना है, न कि उन्हें केवल अंकों की मशीन बना देना। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इस दिशा में कुछ सकारात्मक बदलावों की बात की गई है। इसमें रटने की संस्कृति को कम करने, कौशल आधारित शिक्षा, बहुविषयक अध्ययन और निरंतर मूल्यांकन पर जोर दिया गया है। यदि इन सुधारों को सही तरीके से लागू किया जाए, तो शिक्षा व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आ सकता है। लेकिन इसके लिए केवल नीति ही नहीं, बल्कि सोच में बदलाव भी जरूरी है। अभिभावकों और समाज की भूमिका भी इसमें अत्यंत महत्वपूर्ण है।

अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता अपने बच्चों की तुलना दूसरों से करते हैं और उनसे ऊंचे अंक लाने की अपेक्षा करते हैं। इससे बच्चों पर अनावश्यक दबाव बढ़ता है। हर बच्चा अलग होता है—किसी में संगीत की प्रतिभा होती है, किसी में खेल की, तो किसी में विज्ञान या साहित्य की। शिक्षा का कार्य इन प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें विकसित करना होना चाहिए। परीक्षा जीवन का एक हिस्सा है, लेकिन जीवन का उद्देश्य नहीं। यदि शिक्षा केवल अंकों तक सीमित रह जाएगी, तो हम डिग्रीधारी लोग तो तैयार कर लेंगे, पर सच्चे अर्थों में शिक्षित समाज का निर्माण नहीं कर पाएंगे।

हमारी गीता

गीता का प्रथम बाण: अज्ञान की अंधता और प्रश्न का औचित्य

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद्भगवद्गीता का आरंभ राजा धृतराष्ट्र के एक ऐसे प्रश्न से होता है, जिसे यदि तर्क की कसौटी पर परखा जाए तो वह पूरी तरह व्यर्थ प्रतीत होता है। महर्षि वेदव्यास इस नाट्य के माध्यम से हमें 'संजय' (अर्थात सम्यक जय—जिसने मन और इंद्रियों को जीत लिया है) और 'धृतराष्ट्र' (जिसने मोह के कारण सत्य को पकड़े रखा है) के बीच का अंतर समझाते हैं। संजय के पास 'दूरदृष्टि' थी, ठीक वैसे ही जैसे आज का विज्ञान हमें टेलीविज़न या यूट्यूब के माध्यम से दूर की घटनाओं का साक्षात् दर्शन कराता है। धृतराष्ट्र का प्रश्न था: ₹धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे... मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय?₹ अर्थात, युद्ध की इच्छा से एकत्र हुए मेरे पुत्रों और पांडवों ने क्या किया? यह प्रश्न बुनियादी तौर पर दोषपूर्ण है। जो सेनाएं युद्ध के मैदान में शस्त्रों के साथ खड़ी हैं, वे निश्चित रूप से युद्ध ही करेंगी, कोई खेल या गप्पे नहीं मारेंगी। लेकिन यह प्रश्न धृतराष्ट्र की शारीरिक अंधता से अधिक उनकी

मानसिक अंधता (अज्ञान) को दर्शाता है। जब मनुष्य मोह और अज्ञान में डूबता है, तो उसे प्रत्यक्ष दिखाई देने वाली परिस्थितियां भी समझ नहीं आतीं और वह अपनी शांति खो बैठता है। आज का विज्ञान बुरा नहीं है, लेकिन धृतराष्ट्र की तरह साधन संपन्न होकर भी विवेकहीन होना खतरनाक है। साधन का गलत उपयोग अज्ञान है। जैसे बंदर के हाथ में जलती लकड़ी (मराठी कहावत—माकडाच्या हातात कोलित) विनाश का कारण बनती है, वैसे ही आज बच्चों के हाथों में मोबाइल या प्रकृति के विरुद्ध मनुष्य की हरकतें आत्मघाती हैं। प्रकृति ने हमें 'नारियल' जैसा अमृत दिया, किंतु मूर्ख मनुष्य कुल्हाड़ी से पेड़ काटकर 'विष' (नशा/विनाश) खोज रहा है। अध्यात्म का अर्थ केवल हिमालय की कंदराओं में आंखें मूंदकर बैठना नहीं है। यह सुंदर इंद्रियां और यह जगत उपभोग के लिए ही है, बशर्ते हमारे पास 'संजय' जैसी शुद्ध बुद्धि और विवेक हो।

शख्सियत — जगन्नाथ शंकरशेठ

सेवा, शिक्षा और समाज निर्माण के महान पुरोधा

भारत के सामाजिक और शैक्षिक पुनर्जागरण के इतिहास में यदि किसी महान व्यक्तित्व का नाम आदरपूर्वक लिया जाता है तो उसमें जगन्नाथ शंकरशेट का स्थान अत्यंत ऊंचा है। उन्हें आधुनिक मुंबई के निर्माताओं में गिना जाता है।

वे केवल एक धनी व्यापारी नहीं थे, बल्कि ऐसे दूरदर्शी समाजसेवी थे जिन्होंने अपने धन, समय और प्रतिभा को समाज की उन्नति के लिए समर्पित कर दिया। जगन्नाथ शंकरशेट का जन्म 10 फरवरी 1803 को मुंबई के एक समृद्ध व्यापारी परिवार में हुआ था। बचपन से ही उनमें नेतृत्व, उदारता और समाज के प्रति संवेदनशीलता के गुण दिखाई देते थे। उन्होंने अपने जीवन का उद्देश्य केवल व्यक्तिगत वैभव तक सीमित नहीं रखा, बल्कि समाज को शिक्षित, संगठित और जागरूक बनाने का संकल्प लिया। उस समय भारत में शिक्षा का प्रसार बहुत सीमित था। समाज में जाति-पांति और अंधविश्वास की जकड़न थी। ऐसे दौर में जगन्नाथ शंकरशेट ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम माना। उन्होंने मुंबई में कई स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे उन अग्रणी भारतीयों में से थे जिन्होंने लड़कियों की शिक्षा का समर्थन किया और उसके लिए आर्थिक सहायता भी दी। यह उस समय का अत्यंत साहसिक और प्रगतिशील कदम था। उन्होंने एल्फिंस्टन कॉलेज, ग्रांट मेडिकल कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थाओं के विकास में भी उल्लेखनीय योगदान दिया। उनके प्रयासों से शिक्षा के नए द्वार खुले और समाज के अनेक वर्गों को आगे बढ़ने का अवसर मिला। उनका मानना था कि शिक्षित समाज ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है। जगन्नाथ शंकरशेट केवल शिक्षा के क्षेत्र तक सीमित नहीं रहे। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में भी सक्रिय भूमिका निभाई। वे मुंबई नगर के विकास, सड़कों, जल व्यवस्था और अन्य जनहित के कार्यों में अग्रणी रहे। भारत में पहली रेलवे परियोजना को सफल बनाने में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान था। जब कई लोग इस नई तकनीक को लेकर शंकित थे, तब उन्होंने दूरदृष्टि दिखाते हुए उसका समर्थन किया और आर्थिक सहयोग भी दिया। यही कारण है कि उन्हें आधुनिक मुंबई के आधारस्तंभों में गिना जाता है। वे एक सच्चे राष्ट्रभक्त भी थे। उन्होंने अंग्रेज़ी शासन के सामने भारतीयों की समस्याओं को निर्भीकता से रखा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाई। वे बॉम्बे एसोसिएशन के संस्थापकों में से एक थे, जो उस समय भारतीयों की पहली राजनीतिक संस्थाओं में गिनी जाती थी। जगन्नाथ शंकरशेट का जीवन हमें यह सिखाता है कि सच्ची महानता केवल धन या पद से नहीं, बल्कि समाज के प्रति समर्पण और सेवा भाव से प्राप्त होती है। उन्होंने अपने जीवन से यह सिद्ध किया कि यदि किसी व्यक्ति में दृढ़ संकल्प और समाज के लिए कुछ करने की भावना हो, तो वह पूरे युग को दिशा दे सकता है। आज जब हम आधुनिक मुंबई की चकाचौंध देखते हैं, तो उसके पीछे जगन्नाथ शंकरशेट जैसे महान व्यक्तित्वों का त्याग और दूरदृष्टि छिपी हुई है। उनका जीवन हर उस व्यक्ति के लिए प्रेरणा है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहता है।

जीवन ऊर्जा

बोरिस पास्तरनाक : जन्म 10 फरवरी, 1890 — जन्म

सच्चा जीवन वही है जो दूसरों के लिए जिया जाए

बोरिस पास्तरनाक का जन्म 10 फरवरी, 1890 को मॉस्को, रूस के एक कलाप्रेमी परिवार में हुआ था। उनके पिता चित्रकार और माता पियानोवादक थीं। उन्होंने अपना जीवन साहित्य और कविता को समर्पित किया। 30 मई, 1960 को पेरेडेल्किनो (मॉस्को के पास) में उनका निधन हुआ। उनकी रचनाएं आज भी रूसी इतिहास और मानवीय संवेदनाओं के जीवंत दस्तावेज के रूप में अमर हैं।

जीना मात्र समय बिताना नहीं है, बल्कि अपनी आत्मा को बचाए रखना है। जीवन का अर्थ केवल जीवित रहना नहीं, बल्कि उसे एक उद्देश्य देना है। सच्चा जीवन वही है जो दूसरों के लिए जिया जाए। नियति कोई संयोग नहीं है, यह हमारे कार्यों का परिणाम है। मृत्यु केवल एक द्वार है, अंत नहीं। कविता वह ऊर्जा है जो सत्य को सुंदर बनाती है। एक महान लेखक समाज का दर्पण नहीं, बल्कि उसकी अंतरात्मा होता है। साहित्य वह आवाज़ है जो समय के शोर में भी सुनी जा सकती है। कला हमेशा स्वतंत्रता की तलाश में रहती है। शब्दों में वह शक्ति है जो दुनिया को बदलने का साहस रखती है। प्रेम वह शक्ति है जो हमें खुद से बाहर निकलना सिखाती है। दो आत्माओं का मिलन ब्रह्मांड की सबसे बड़ी घटना है। सच्चा प्रेम कभी फीका नहीं पड़ता, वह समय के साथ और गहरा होता है। संवेदना ही इंसान होने की पहली शर्त है। बिना प्रेम के ज्ञान अधूरा और शुष्क है। इतिहास कोई कहानी नहीं, बल्कि मनुष्य के संघर्षों का लेखा-जोखा है। सत्य को दबाया जा सकता है, लेकिन उसे मिटाया नहीं जा सकता। सत्ता आती और जाती है, लेकिन मानवता अमर रहती है। क्रांति अक्सर अपने ही बच्चों को खा जाती है। स्वतंत्रता केवल एक शब्द नहीं,

बल्कि जीने का एक तरीका है। प्रकृति ईश्वर की सबसे सुंदर कविता है। बर्फ की खामोशी में भी एक संगीत होता है। हर वसंत एक नया जन्म और नई उम्मीद लेकर आता है। सौंदर्य वह प्रकाश है जो आत्मा के भीतर से आता है। पेड़-पौधे भी हमसे बातें करते हैं, बस हमें सुनने की कला आनी चाहिए। अकेले चलना कठिन है, लेकिन यही आत्म-साक्षात्कार का मार्ग है। डर केवल एक भ्रम है जिसे साहस से जीता जा सकता है। कठिनाइयाँ हमें तोड़ती नहीं, बल्कि हमें तराशती हैं।

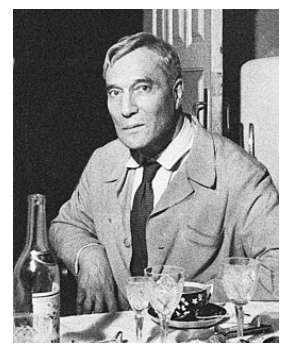

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

संतोष, दृष्टिकोण और आत्मबोध का मार्ग

जीवन केवल सांस लेने का नाम नहीं है, बल्कि उसे सार्थक, संतुलित और प्रसन्नतापूर्वक जीने की कला सीखने का नाम है। हर मनुष्य को यह कला आनी चाहिए कि वह परिस्थितियों के बीच अपने जीवन को कैसे दिशा दे, कैसे अपने भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानकर उन्हें सही रूप में विकसित करे। जीवन जीना भी एक साधना है, एक अभ्यास है, जो समझ, धैर्य और दृष्टिकोण से निखरता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रकृति का सबसे सुंदर नियम यही है कि वह किसी के साथ अन्याय नहीं करती। इस संसार में कोई भी प्राणी, कोई भी वस्तु या कोई भी मनुष्य पूरी तरह से पूर्ण नहीं है, लेकिन सर्वथा अपूर्ण भी कोई नहीं है। हर किसी के भीतर प्रकृति ने कुछ न कुछ विशिष्टता अवश्य दी है। अंतर केवल इस बात का है कि हम अपनी नजर किस दिशा में रखते हैं। यदि हमारी दृष्टि केवल उन चीजों पर रहती है जो हमारे पास नहीं हैं, तो हमें अपना जीवन हमेशा अधूरा और अपूर्ण ही लगेगा। लेकिन यदि हम उन गुणों, अवसरों और उपलब्धियों पर ध्यान दें जो हमारे पास हैं, तो हमें एहसास होगा कि हम भी किसी से कम नहीं हैं। अक्सर मनुष्य की सबसे बड़ी समस्या यही होती है कि वह अपने जीवन की तुलना दूसरों से करने लगता है। सामने वाले के पास क्या है, वह कितना सफल है, उसे कितना सम्मान मिला—इन बातों में उलझकर हम अपने जीवन की असली खुशियों को भूल जाते हैं। यह सच है कि जो सामने वाले के पास है, वह हमारे पास नहीं हो सकता। लेकिन यह भी उतना ही

सत्य है कि जो हमारे पास है, वह सामने वाले के पास भी नहीं होगा। हर जीवन की अपनी एक अलग कहानी होती है, अपने संघर्ष होते हैं, अपनी उपलब्धियां होती हैं। इसी तुलना की प्रवृत्ति से ईर्ष्या जन्म लेती है। ईर्ष्या एक ऐसी आग है, जो दूसरों को जलाए या न जलाए, पर स्वयं को अवश्य जला देती है। यह मनुष्य के मन की शांति, संतोष और आनंद को धीरे-धीरे समाप्त कर देती है। ईर्ष्या का परिणाम कभी भी सुखद नहीं होता। यह व्यक्ति को भीतर से खोखला बना देती है और उसे अपने ही जीवन से असंतुष्ट कर देती है। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने जीवन में संतोष को स्थान दें। संतोष का अर्थ ठहराव नहीं है, बल्कि यह समझ है कि जो हमारे पास है, वह भी अनमोल है। संतोष हमें भीतर से मजबूत बनाता है और जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने की शक्ति देता है। इसके साथ ही ज्ञान का महत्व भी अत्यंत आवश्यक है। ज्ञान हमें सही और गलत का अंतर समझाता है, हमें यह सिखाता है कि जीवन की वास्तविक खुशियां बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि हमारी सोच और व्यवहार में छिपी होती हैं। संतोष और ज्ञान रूपी जल से ही ईर्ष्या की आग को शांत किया जा सकता है। जब मनुष्य अपने भीतर की अच्छाइयों को पहचानता है, अपने गुणों को विकसित करता है और दूसरों की सफलता में प्रसन्न होना सीखता है, तब उसका जीवन वास्तव में सुखी और संतुलित बनता है। जीवन की कला यही है कि हम अपने पास जो है, उसका सम्मान करें, अपनी कमियों को सुधारने का प्रयास करें और दूसरों की उपलब्धियों से प्रेरणा लें, न कि ईर्ष्या। जब मनुष्य इस सरल सत्य को समझ लेता है, तब उसका जीवन बोझ नहीं, बल्कि एक सुंदर यात्रा बन जाता है, जिसमें हर दिन एक नया अनुभव और हर अनुभव एक नई सीख देता है। यही जीवन जीने की सच्ची कला है।

अपने विचार

नेताओं के बहकावे में आने की आवश्यकता नहीं है। ये जो जाति के नाम पर बांटना चाहते हैं, आपको तमाम प्रकार के वादों से बांटना चाहते हैं, इस बहकावे में भूल से भी मत आना। क्योंकि देश का दुश्मन आंखे लगाए बैठा है। आप बंट गए तो फिर कटने के रास्ते भी खुल जाएंगे। उसको कभी मत होने देना।

योगी आदित्यनाथ
सीएम, उत्तर प्रदेश

मृत्यु की परिस्थितियों के बारे में सभी को संदेह है और वह 10 फरवरी को इस बारे में विस्तार से बताएंगे। अजित पवार ने एनसीपी गुटों के एकजुट होने की इच्छा जताई थी और विलय की दिशा में प्रयास जारी रहेंगे।

रोहित पवार
नेता एनसीपी

गौरव गोगोई के वीजा में स्पष्ट रूप से केवल लाहौर, कराची और इस्लामाबाद की यात्रा की अनुमति थी। पाकिस्तान के आव्रजन नियमों के तहत वीजा द्वारा निर्धारित शहरों से बाहर यात्रा करना विशेष अनुमति के बिना प्रतिबंधित है।

हिमंत बिस्वा सरमा
सीएम, असम

'मैं बैक-टु-बैक प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा था। बोरियत और थकान लगने लगी थी। मुझे अपने काम में मजा नहीं आ रहा था। एक ब्रेक की बहुत जरूरत थी। मैं अब बहुत सिलेक्टिव हो गया हूं। मैं अपना घर तब ही छोड़ता हूं जब काम एक्साइटिंग हो। मैं हर वो प्रोजेक्ट नहीं करना चाहता जो मुझे मिलता जा रहा है।

पंकज त्रिपाठी
अभिनेता

अपने
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

फेडरल बैंक ने दिया सीएसआर के तहत 16 लोहे के बैरियर

उल्हासनगरः उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त मनिषा आव्हाळे के आवाहन पर अमल करते हुए शहर की निजी क्षेत्र की फेडरल बैंक ने कंपनी की सामाजिक उत्तरदायित्व राशि के अंतर्गत जनहित में आगे आते हुए यातायात नियंत्रण में उपयोगी 16 लोहे की बैरियर उल्हासनगर महानगरपालिका को प्रदान किए। इन बैरियरों का लोकार्पण मनपा मुख्यालय में नवनियुक्त महापौर अश्विनी निकम और आयुक्त मनिषा आव्हाळे के हाथों संपन्न हुआ। इस अवसर पर फेडरल बैंक के राज्य व्यवसाय प्रमुख संतोष भोके, माधुरी साजणीकर, नवी मुंबई प्रादेशिक प्रमुख प्रदीप कुमार, मंडल प्रमुख निकिता करुणाकरण, शाखा प्रमुख सहित मनपा के अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस, धीरज चव्हाण, उपायुक्त दिपाली मोटघरे, मुख्य लेखा अधिकारी किरण भिलारे, मुख्य लेखा परीक्षक विलास नागदिवे, जनसंपर्क अधिकारी अजय साबळे, अतिक्रमण विभाग प्रमुख गणेश शिंपी, मालमत्ता विभाग प्रमुख छाया डांगळे सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

गोल्डन टेम्पल मेल के टर्मिनल में अस्थायी परिवर्तन की अवधि बढ़ाई गई

मुंबई। पश्चिम रेलवे ने गोल्डन टेम्पल मेल के टर्मिनल से संबंधित अस्थायी परिचालन व्यवस्था को अगले छह माह तक जारी रखने की अधिसूचना जारी की है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 12903 मुंबई सेंट्रल–अमृतसर गोल्डन टेम्पल मेल आगामी 17 अगस्त 2026 तक मुंबई सेंट्रल के स्थान पर बांद्रा टर्मिनस से ही ओरिजिनेट होती रहेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 12904 अमृतसर–मुंबई सेंट्रल गोल्डन टेम्पल मेल आगामी 15 अगस्त 2026 तक मुंबई सेंट्रल के स्थान पर बांद्रा टर्मिनस पर ही टर्मिनेट होगी।

10 कर्मचारियों को मिला महाप्रबंधक संरक्षा पुरस्कार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) प्रदीप कुमार ने 09 फरवरी, 2026 को पश्चिम रेलवे मुख्यालय, मुंबई में आयोजित समारोह में दिसंबर 2025 के लिए 10 कर्मचारियों को महाप्रबंधक का "मैन ऑफ द मंथ" सेफ्टी अवॉर्ड प्रदान कर सम्मानित किया। इन कर्मचारियों को उनकी असाधारण सतर्कता, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के लिए चुना गया, जिससे संभावित अप्रिय घटनाओं को रोककर सुरक्षित रेल परिचालन सुनिश्चित किया जा सका। सम्मानित कर्मचारियों में अहमदाबाद मंडल से पाँच, वडोदरा और भावनगर मंडल से दो-दो तथा मुंबई सेंट्रल मंडल से एक कर्मचारी शामिल हैं।

मुंबई सेंट्रल मंडल के कर्मचारी की सतर्कता

सेंट्रल मंडल में फ़िटर के पद पर कार्यरत शिवलाल को उनकी विशेष सतर्कता के लिए यह सेफ्टी अवॉर्ड प्रदान किया गया। दिसंबर 2025 में बांद्रा शेड में लोकोमोटिव के नियमित निरीक्षण के दौरान उन्होंने पहिए में एक गंभीर दोष का समय रहते पता लगाया और तुरंत अधिकारियों को सूचित किया। उनकी त्वरित कार्रवाई से आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए गए और संभावित असुरक्षित ट्रेन परिचालन व दुर्घटना को टाल दिया गया।

अन्य मंडलों का भी सराहनीय योगदान

अहमदाबाद, वडोदरा और भावनगर मंडलों के सम्मानित कर्मचारियों को भी रेल फ्रैक्चर, ट्रैक पर अवरोध, ब्रेक के अधिक गर्म होने, वैगन में दोष और उपकरणों में असामान्यताओं जैसी संरक्षा संबंधी कमियों का समय रहते पता लगाने के लिए सम्मानित किया गया। पश्चिम रेलवे ने सभी कर्मचारियों के अनुकरणीय समर्पण और सुरक्षा चेतना की सराहना करते हुए कहा कि इनके प्रयासों से न केवल संभावित दुर्घटनाओं को रोका गया, बल्कि सुरक्षित और विश्वसनीय रेल परिचालन के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता भी और मजबूत हुई है।

जिलाधिकारी की मौजूदगी में साइक्लोथॉन 2026 का होगा स्वागत

डीबीडी संवाददाता | पालघर

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने देश की तटीय सुरक्षा, राष्ट्रीय एकता और सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने के उद्देश्य से वंदे मातरम् कोस्टल साइक्लोथॉन-2026 के दूसरे संस्करण की शुरुआत की है। यह अब तक का सबसे व्यापक तटीय साइक्लोथॉन है, जो भारत के पूरे मुख्य भूमि समुद्र तट को कवर करेगा। इस 25 दिवसीय, 6,553 किलोमीटर लंबे अभियान को 28 जनवरी 2026 को गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने नई दिल्ली से वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था।

डहाणू और तारापुर में भव्य स्वागत

साइक्लोथॉन के तहत साइकिल रैली 10 फरवरी को सुबह करीब 9 से 9.30 बजे के बीच पालघर जिले के डहाणू पहुंचेगी, जहां जिलाधिकारी डॉ. इंदु राणी जाखड और उपविभागीय अधिकारी विशाल खत्री की मौजूदगी में स्कूली विद्यार्थियों और मछुआरा समुदाय द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ साइकिल सवारों का स्वागत किया जाएगा। इसके बाद सुबह 11 बजे तारापुर स्थित टीएपीएस परिसर में सीआईएसएफ की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा। रैली का रात्रि विश्राम जूचंद्र स्थित चंडिका देवी मंदिर में होगा, जबकि 11 फरवरी की सुबह यह दल मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया के लिए प्रस्थान करेगा। इस साइक्लोथॉन में 130 सीआईएसएफ जवान भाग ले रहे हैं, जिनमें 65 महिला कर्मी शामिल हैं। अभियान का उद्देश्य तटीय समुदायों को ड्रग्स, हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी जैसे खतरों के प्रति जागरूक करना, मछुआरा समुदायों से संवाद स्थापित करना और सुरक्षा एजेंसियों व स्थानीय नागरिकों के बीच समन्वय को मजबूत करना है।

बेटिकट यात्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

भुसावल। भुसावल मंडल ने अनाधिकृत और बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से जनवरी 2026) के दौरान 08.18 लाख यात्रियों को पकड़ा और उनसे 68.86 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में लगभग 40 प्रतिशत अधिक है, जब 05.82 लाख यात्रियों से 42.87 करोड़ रुपये की वसूली की गई थी, जो राजस्व में 61 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्शाता है। सम्मानित यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा का अनुभव देने की प्रतिबद्धता के तहत भुसावल मंडल ने संगठित और व्यवस्थित टिकट जांच अभियानों को तेज किया है।

08.18 लाख यात्रियों से वसूला गया 68.86 करोड़ का जुर्माना

महिला सशक्तिकरण व पर्यावरण संरक्षण की पहल

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ठाणे मनपा के पर्यावरण विभाग और समाज विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महिला बचत गटों के लिए माइक्रो ग्रीन वेजिटेबल्स की खेती पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ठाणे मनपा पिछले दस वर्षों से विभिन्न संस्थाओं और महिला बचत गटों के माध्यम से निरंतर कार्य कर रही है। समाज विकास विभाग से मान्यता प्राप्त इन बचत गटों को आइडेंटिटी कार्ड, बेल कार्ट और क्लासिफिकेशन शेड जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं।

रोज़गार के नए अवसर और जागरूकता

उप पर्यावरण अधिकारी वैशाली पालकर ने बताया कि इस पहल के ज़रिए महिला वेस्ट कलेक्टर्स को डोर-टू-डोर कचरा संग्रह, गीले-सूखे कचरे का पृथक्करण, गीले कचरे से खाद निर्माण जैसे रोज़गार के अवसर मिलते हैं, साथ ही समाज में जागरूकता और प्रशिक्षण भी होता है। इस कार्यक्रम में पेरिस विकास भगिनी संस्था, स्त्री मुक्ति संस्थान, एंटी प्लास्टिक ब्रिगेड और समर्थ भारत व्यासपीठ सक्रिय रूप से शामिल हैं। भविष्य में महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से वृक्षारोपण, पौधों की देखभाल और कपड़े के थैले बनाने जैसी पर्यावरण-अनुकूल गतिविधियों को भी आगे बढ़ाने की योजना है। कार्यक्रम में स्त्री मुक्ति संस्थान की प्रमुख कार्यकर्ता ज्योति म्हापसेकर ने गीतों और सरल शब्दों के माध्यम से महिलाओं को उनके कार्य के महत्व से अवगत कराते हुए आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया।

अवैध कब्जे के खिलाफ रिक्शा चालकों ने उठाई आवाज

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

तीनबत्ती नाका स्थित ऑटो रिक्शा स्टैंड पर अवैध कब्जे के विरोध में रिक्शा चालक-मालक यूनियन ने मोर्चा खोल दिया है। यूनियन के अध्यक्ष कॉ. सुनील चव्हाण का आरोप है कि आरटीओ (ठाणे) द्वारा मान्यता प्राप्त स्टैंड पर असामाजिक तत्वों ने अवैध कब्जा कर लिया है। पुलिस चौकी के समीप ही आरपीआई पार्टी का केबिन, लोहे की टपरियां और हाथगाड़ियां लगाकर स्टैंड की जगह को बाधित किया गया है। इसके अलावा, वहां निजी वाहनों और बुलेट बाइकों की पार्किंग के कारण रिक्शा चालकों को यात्रियों को बिठाने और उतारने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यूनियन का दावा है कि शहर यातायात विभाग द्वारा पत्र लिखे जाने के बावजूद महानगरपालिका प्रशासन ने इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

मनपा मुख्यालय के बाहर धरना, प्रशासन को चेतावनी

आंदोलन की चेतावनी

प्रशासनिक लापरवाही से नाराज सैकड़ों रिक्शा चालक भिवंडी महानगरपालिका मुख्यालय के गेट पर धरने पर बैठ गए हैं। यूनियन ने स्पष्ट किया है कि यदि अवैध अतिक्रमण तुरंत नहीं हटाया गया, तो मंगलवार से यह धरना आमरण अनशन में तब्दील हो जाएगा। इसके साथ ही, 11 फरवरी को बड़ी संख्या में ऑटो रिक्शाओं के साथ महानगरपालिका का घेराव करने की योजना बनाई गई है। इस आंदोलन के कारण शहर की यातायात व्यवस्था चरमराने की आशंका बनी हुई है, जिससे आम यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

आपदा प्रबंधन ट्रेनिंग समय की ज़रूरत: विधायक केलकर

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

बंदोडकर कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों के लिए आपदा प्रबंधन पर तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। नागरिक सुरक्षा संगठन (सिविल डिफेंस) और ठाणे मनपा आपदा प्रबंधन विभाग के सहयोग से आयोजित इस कैंप का उद्देश्य छात्रों को आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए सक्षम बनाना है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन नवी मुंबई ग्रुप के डिप्टी कंट्रोलर विजय जाधव, ठाणे मनपा के आपदा प्रबंधन अधिकारी यासीन तड़वी और वाइस प्रिंसिपल मीनल वानखेड़े की उपस्थिति में हुआ, जिसमें आपदा प्रबंधन को वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता बताया गया।

व्यावहारिक प्रशिक्षण और तकनीकी प्रदर्शन

तीन दिनों तक चले इस शिविर में छात्रों को सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ महत्वपूर्ण व्यावहारिक (प्रैक्टिकल) प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्राथमिक चिकित्सा, कृत्रिम श्वसन, और आग बुझाने के विभिन्न तरीकों का सजीव प्रदर्शन किया गया। छात्रों को आपातकालीन स्थिति में घायलों को उठाने के सुरक्षित तरीकों और आपदा प्रबंधन में उपयोग होने वाले अत्याधुनिक उपकरणों के बारे में विस्तार से बताया गया। रोहित सिंह राठौड़ और सिविल डिफेंस के अन्य विशेषज्ञों ने छात्रों को इन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रशिक्षित किया।

शहरीकरण की चुनौतियां और छात्रों की भागीदारी

तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बढ़ती आबादी के बीच प्रशासनिक संसाधनों की सीमाओं को देखते हुए, आपदा प्रबंधन में नागरिकों और छात्रों की भागीदारी को अनिवार्य माना गया है। यासीन तड़वी ने जोर देकर कहा कि मैनपावर की कमी को पूरा करने के लिए युवाओं को प्रशिक्षित करना समय की मांग है। कॉलेज की वाइस प्रिंसिपल मीनल वानखेड़े ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य में सिविल डिफेंस एसोसिएशन के माध्यम से और भी उन्नत (एडवांस्ड) प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इस शिविर में 120 छात्रों के साथ कॉलेज फैकल्टी ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

समदिया कॉलेज में सीरत-उन-नबी कॉन्फ्रेंस का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

समदिया कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, भिवंडी में सोमवार को भिवंडी वीवर्स एजुकेशन सोसाइटी के तत्वावधान में तथा इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के कल्चरल हाउस, मुंबई के सहयोग से सीरत-उन-नबी कॉन्फ्रेंस का भव्य आयोजन यूनुस समद ऑडिटोरियम में किया गया, जिसमें शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और बुद्धिजीवियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत मौलाना

अहमदुल्ला सल्फी द्वारा कुरआन पाक की तिलावत से हुई, जिसके बाद उन्होंने माता-पिता के अधिकारों और समाज में हो रही कोताहियों पर विचार रखे। मुख्य वक्ता मौलाना अख्तर सुल्तान इसलाही ने "मोहब्बते रसूल और उसके तक़ाज़े" विषय पर संबोधन करते हुए कहा कि हज़रत मोहम्मद (सल्ल.) से सच्ची मोहब्बत उनके बताए उसूलों को जीवन में उतारने से ही संभव है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. जलीश अहमद ने किया, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में ईरान कल्चरल हाउस, मुंबई के डायरेक्टर मोहम्मद रेजा फज़ल उपस्थित रहे। अध्यक्षता मौलाना औसाफ फलाही ने की, जिन्होंने पैग़म्बरे इस्लाम के अमन, इंसाफ और भाईचारे के संदेश पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर समदिया स्कूल/कॉलेज और ईरान के शैक्षणिक प्रतिनिधियों के बीच उच्च शिक्षा और अकादमिक सहयोग को लेकर एमओयू भी किया गया।

डॉ. श्रीकांत शिंदे बने टेनिस क्रिकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीय टेनिस क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के उद्देश्य से टेनिस क्रिकेट स्पोर्ट फेडरेशन ऑफ इंडिया (आईटीसीएसएफ) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर शिवसेना सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे की नियुक्ति की गई है। ठाणे में आईटीसीएसएफ की पहली वार्षिक जनरल मीटिंग एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. श्रीकांत शिंदे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर मीनाक्षी शिंदे (पूर्व महापौर ठाणे एवं शिवसेना ठाणे जिला महिला संघटक) तथा नगरसेवक मंदार केणी भी विशेष अतिथि के तौर पर मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों का सम्मान किया गया और आईटीसीएसएफ के आधिकारिक लोगो का अनावरण किया गया। इस मौके पर डॉ. श्रीकांत शिंदे ने विभिन्न राज्यों के नवनियुक्त अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने अपने संबोधन में

कहा कि आईपीएल की तरह टेनिस क्रिकेट की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ रही है और इसे एक प्रोफेशनल फॉर्मेट देने की आवश्यकता है, ताकि अधिक से अधिक खिलाड़ियों को अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि टेनिस क्रिकेट के माध्यम से नए टैलेंट को बड़ा मंच मिलेगा और खिलाड़ियों का करियर संवरेगा। डॉ. शिंदे ने प्रो-कबड्डी और प्रो-गोविंदा का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस तरह इन खेलों को प्रोफेशनल पहचान मिली, उसी तरह टेनिस क्रिकेट को भी राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत और बड़ा प्लेटफॉर्म दिया जाएगा। उन्होंने सभी राज्यों के पदाधिकारियों के सहयोग से टेनिस क्रिकेट को नई बुलंदियों तक ले जाने का संकल्प दोहराया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। पठन-पाठन व लेखन आदि में मन लगेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त हो सकता है। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों के साथ मजोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है।

वृष सामाजिक कार्यों में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। निवेश लाभदायक रहेगा। बाहर जाने का मन बनेगा। परिवार के साथ जीवन सुखमय गुजरेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन अपेक्षित कार्यों में बाधा होगी। तनाव रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास हानि का कारण बनेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। शोक समाचार मिल सकता है। पुराना रोग परेशानी का कारण रहेगा। व्यय होगा।

कर्क अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। कीमती वस्तुएं गुम हो सकती हैं। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। लाभ में कमी रहेगी। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कर्ज लेना पड़ सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें।

सिंह रुका हुआ धन प्राप्त होने की संभावना है। यात्रा लाभदायक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। भाइयों का सहयोग आत्मशांति देगा। शत्रु पस्त होंगे। नौकरी में अधिकारी आप पर ध्यान देंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। वरिष्ठजनों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। भाग्य अनुकूल है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यस्तता रहेगी। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है।

तुला चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी न करें। जीवनसाथी से तनाव रह सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी अन्य व्यक्ति के उकसावे में न आएं। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। झंझटों से दूर रहें। निवेश करने का सही समय नहीं है।

वृश्चिक परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। प्रमाद न करें। तीर्थदर्शन सुलभ हो सकते हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तनाव रहेगा। कार्यभार बढ़ सकता है। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। व्यापार वृद्धि के लिए योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। नए अनुबंध हो सकते हैं। लाभ में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। किसी जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। पारिवारिक चिंता रहेगी।

मकर भेंट व उपहार की प्राप्ति से मान बढ़ेगा। बेरोजगारी दूर होने के योग हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। शेयर मार्केट से लाभ होगा। जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। समय की अनुकूलता का लाभ लें। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

कुंभ संपत्ति के कार्य लाभप्रद रहेंगे। कोई बड़ा कार्य हो सकता है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाइयों से सहयोग प्राप्त होगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। लापरवाही से कोई भी कार्य न करें।

मीन भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। कार्यों में गति आएगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। परिवार के सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। शत्रुओं से सावधान रहें।

जन्मकुंडली में रचे गए अदृश्य विधान की कथा

जब किसी शिशु का जन्म होता है, उस क्षण केवल एक नया जीवन ही धरती पर नहीं आता, बल्कि आकाश में स्थित ग्रह, नक्षत्र और राशियाँ भी अपनी-अपनी भूमिका तय कर चुकी होती हैं। ज्योतिष शास्त्र मानता है कि जन्म के उस एक क्षण में ब्रह्मांड की जो स्थिति होती है, वही आगे चलकर मनुष्य के जीवन की दिशा, दशा और संघर्ष की कहानी लिख देती है। जन्मकुंडली कोई साधारण गणना नहीं, बल्कि कर्मों का दर्पण है, जिसमें पूर्वजन्म के संस्कार, वर्तमान के प्रयास और भविष्य की संभावनाएँ एक साथ प्रतिबिंबित होती हैं। इन्हीं ग्रह-स्थितियों से अनेक योग बनते हैं, जो कभी जीवन को वैभव और यश की ऊँचाइयों तक ले जाते हैं, तो कभी संघर्ष, वियोग और पीड़ा के कठिन रास्तों पर डाल देते हैं।

कई बार ऐसा देखा जाता है कि एक ही परिवार में जन्मे दो लोगों का जीवन बिल्कुल अलग दिशा में बहता है। कोई साधारण

प्रियंका जैन
9769994439

पृष्ठभूमि से उठकर उच्च पद और प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेता है, तो कोई सब कुछ होते हुए भी अभाव और संघर्ष से मुक्त नहीं हो पाता। ज्योतिष कहता है कि इसके पीछे केवल परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि जन्मकुंडली में बने विशेष योग भी जिम्मेदार होते हैं। कुछ योग ऐसे होते हैं जो व्यक्ति को विवाह, प्रेम और दांपत्य जीवन के गहरे अनुभवों से जोड़ते हैं। जैसे द्विभार्या योग, जो जीवन में एक से अधिक विवाह या वैवाहिक अस्थिरता का संकेत देता है। ऐसे जातक अक्सर भावनात्मक रूप से उलझे रहते हैं, उनके संबंधों में खिंचाव, गलतफहमियाँ और सामाजिक दबाव देखने को मिलते हैं। यह योग केवल भोग का संकेत नहीं देता, बल्कि यह भी बताता है कि व्यक्ति को अपने रिश्तों में विशेष संयम और विवेक की आवश्यकता होगी।

इसके विपरीत कुछ योग ऐसे भी होते हैं जो जीवन को राजपथ पर ले जाते हैं। राजयोग का नाम सुनते ही मन में वैभव, सत्ता और सम्मान की छवि उभर आती है। जिनकी कुंडली में यह योग बनता है, वे सामान्य जीवन नहीं जीते। उनके भीतर नेतृत्व की क्षमता, निर्णय लेने का साहस और समाज को दिशा देने की शक्ति होती है। लेकिन ज्योतिष यह भी स्पष्ट करता है कि राजयोग केवल सुख नहीं देता, बल्कि जिम्मेदारियों का बोझ भी बढ़ाता है। ऐसे लोग अक्सर निजी जीवन में त्याग करते हैं, क्योंकि उनका जीवन केवल स्वयं के लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए होता है। कभी-कभी भाग्य एक विचित्र खेल भी खेलता है। विपरीत राजयोग इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। इस योग में व्यक्ति को सफलता निरंतर मेहनत से नहीं, बल्कि अचानक मिलती है। ऐसा लगता है मानो परिस्थितियाँ स्वयं उसके पक्ष में मुड़ गई हों। जो लोग लंबे समय तक संघर्ष करते हैं और अचानक ऊँचाई पर पहुँच जाते हैं, उनकी कुंडली में अक्सर ऐसा ही कोई योग सक्रिय होता है। यह योग सिखाता है कि जीवन में हर सफलता की कहानी सीधी रेखा में नहीं चलती, कभी-कभी टेढ़े रास्ते ही मंज़िल तक पहुँचाते हैं। कुछ योग व्यक्ति को बाहरी रूप से तो सफल दिखाते हैं, लेकिन भीतर से वह खालीपन महसूस करता है। आडम्बरी राजयोग ऐसा ही योग है, जिसमें व्यक्ति के पास धन, पद और प्रतिष्ठा तो होती है, लेकिन स्थायित्व का अभाव रहता है। यह योग चेतावनी देता है कि केवल दिखावे की सफलता आत्मिक संतोष नहीं दे सकती।

(क्रमशः)

ब्रीफ न्यूज

पहाड़ों पर फिर बर्फबारी और घने कोहरे की संभावना

एजेंसी । देहरादून/शिमला।

उत्तर भारत के पहाड़ों में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में हल्की बारिश जबकि 3000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना जताई गई है। वहीं मैदानी क्षेत्रों में सुबह और रात के समय कोहरा छा सकता है। मौसम विभाग के अनुसार कुछ पर्वतीय जनपदों में छिटपुट वर्षा होगी, जबकि हरिद्वार और उधम सिंह नगर में दृश्यता प्रभावित करने वाला कोहरा रह सकता है। फिलहाल राज्य के लिए कोई मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है। हिमाचल प्रदेश में रविवार सुबह से मौसम बदला हुआ है। कई इलाकों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग के अनुसार आज से पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) सक्रिय हो गया है। इसके असर से दो दिन तक प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम खराब रहने व पर्वतीय इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। विभाग का कहना है कि 10 फरवरी को इस सिस्टम का असर सबसे अधिक रहेगा और इस दिन गरज-चमक, तेज हवाओं तथा बिजली गिरने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

औली में नेशनल स्कीइंग चैंपियनशिप व विंटर कार्निवाल

औली। विश्व प्रसिद्ध शीतकालीन पर्यटन स्थल औली में 13 से 16 फरवरी तक नेशनल स्कीइंग चैम्पियनशिप और औली विंटर कार्निवाल आयोजित किया जाएगा। आयोजन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। प्रतियोगिता में सेना, आईटीबीपी, सीआरपीएफ सहित देश के 13 राज्यों की टीमें भाग लेंगी। नंदा देवी और रोपवे क्षेत्र की स्कीइंग स्लोप पर पर्याप्त बर्फ उपलब्ध है। आयोजकों के अनुसार जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की टीमें औली के लिए रवाना हो चुकी हैं।

घने कोहरे से ढका उत्तर बिहार, ठंड से थमी रफ्तार

पटना। उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में सोमवार सुबह घने कोहरे और गिरते तापमान ने जनजीवन को प्रभावित किया। मुजफ्फरपुर, दरभंगा, सीतामढ़ी समेत कई इलाकों में विजिबिलिटी शून्य के करीब पहुंच गई, जिससे सड़कों पर वाहन बेहद धीमी गति से चलते नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और ठंडी पछुआ हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है। घने कोहरे के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात प्रभावित रहा, वाहन चालकों को हेडलाइट और फॉग लाइट जलाकर चलना पड़ा। मौसम विभाग और यातायात पुलिस ने सतर्कता बरतने की सलाह दी है। चिकित्सकों ने बच्चों और बुजुर्गों को ठंड व कोहरे से बचाव के लिए घर में रहने की अपील की है। अगले 24 घंटे तक मौसम में खास बदलाव के आसार नहीं हैं।

योगी सरकार ने पटल पर रखा सूबे का लेखाजोखा

- UP विधानसभा में पहली बार पेश की गई प्रदेश की आर्थिक समीक्षा
- वित्त मंत्री ने कहा- नौ साल में दो गुना हो गया उत्तर प्रदेश का बजट

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को विधानसभा में पहली बार राज्य की आर्थिक समीक्षा प्रस्तुत कर एक नई परंपरा की शुरुआत की। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन के पटल पर वर्ष 2025–26 की आर्थिक समीक्षा रखते हुए प्रदेश की आर्थिक स्थिति, उपलब्धियों और भविष्य की दिशा का विस्तृत खाका सामने रखा। मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यह समीक्षा केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की विकास यात्रा और जनआकांक्षाओं का दस्तावेज है। उन्होंने बताया कि बीते नौ वर्षों में प्रदेश का बजट आकार दोगुना से अधिक हो गया है और अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। आर्थिक समीक्षा के अनुसार, उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था वर्ष 2016–17 में 13.30 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2024–25 में 30.25 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गई है और 2025–26 में इसके 36 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। वहीं प्रदेश को अब तक लगभग 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के औद्योगिक निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाते हैं।

यूपी का योगदान 9.1 प्रतिशत

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान बढ़कर 9.1 प्रतिशत हो गया है। साथ ही, दशकों बाद प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय में गिरावट का रुख बदला है। वर्ष 2016–17 में 54 हजार रुपये से अधिक रही प्रति व्यक्ति आय 2024–25 में बढ़कर करीब 1.10 लाख रुपये हो गई है, जबकि 2025–26 में इसके 1.20 लाख रुपये तक पहुंचने का अनुमान है।

अनुमानित बजट 8.33 लाख करोड़

क्षेत्रवार योगदान की बात करें तो प्रदेश की जीएसडीपी में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी 47 प्रतिशत, उद्योग की 27.2 प्रतिशत और कृषि व संबद्ध क्षेत्रों की 25.8 प्रतिशत है। बजट के मोर्चे पर भी बड़ा उछाल दर्ज किया गया है। वर्ष 2016–17 में 3.47 लाख करोड़ रुपये का बजट अब बढ़कर 2025–26 में अनुमानित 8.33 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। आर्थिक समीक्षा प्रस्तुत होने के बाद विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

हंगामे के बीच राज्यपाल का अभिभाषण

उत्तर प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार को शुरू हुआ, जहां राष्ट्रगान के बाद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने संयुक्त सदन को संबोधित करते हुए सरकार की उपलब्धियां गिनाईं, जबकि विपक्ष ने नारेबाजी कर कार्यवाही बाधित करने की कोशिश की। सत्र से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जानकारी दी कि योगी सरकार पहली बार विधानसभा में आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेगी और 11 फरवरी को 2026–27 का बजट प्रस्तुत किया जाएगा।

सांसद पप्पू यादव की जमानत पर फैसला टला

- पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी से मचा हड़कंप
- एमपी-एमएलए कोर्ट समेत अन्य परिसर को खाली करवाया गया

एजेंसी । पटना।

पटना सिविल कोर्ट को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने से सोमवार को पूरे न्यायालय परिसर में हड़कंप मच गया। सुरक्षा एजेंसियों की सक्रियता के चलते एमपी-एमएलए कोर्ट सहित अदालत परिसर को खाली करा लिया गया और सभी न्यायिक कार्यवाहियां स्थगित कर दी गईं। इसी कारण पूर्णिया से निर्दलीय लोकसभा सांसद पप्पू यादव की जमानत याचिका पर होने वाली सुनवाई टाल दी गई। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया। कोर्ट परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया गया और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए। हालात सामान्य होने तक अदालत की नियमित कार्यवाही बंद रखने का निर्णय लिया गया, जिससे पप्पू यादव की बेल पर सुनवाई नहीं हो सकी और उन्हें फिलहाल बेऊर जेल में ही रहना होगा।

RDX और IED से उड़ाने की धमकी

बताया गया कि सोमवार सुबह पटना सिविल कोर्ट को आरडीएक्स और आईईडी से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल प्राप्त हुआ था। एहतियातन एमपी-एमएलए कोर्ट को भी खाली कराया गया। सुरक्षा कारणों से पूरे परिसर में आवाजाही सीमित कर दी गई, जिसका असर कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई पर पड़ा।

31 साल पुराने मामले में गिरफ्तारी

गौरतलब है कि पप्पू यादव को शुक्रवार देर रात 31 वर्ष पुराने एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। यह गिरफ्तारी ऐसे समय हुई, जब वे नीट छात्रा की मौत को लेकर सरकार और प्रशासन पर लगातार सवाल उठा रहे थे और सोशल मीडिया से लेकर सार्वजनिक मंचों तक मुखर थे।

'पप्पू को रिहा करो' की नारेबाजी

सांसद की गिरफ्तारी के बाद राजनीतिक माहौल गर्मा गया है। रविवार को पटना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'पप्पू यादव को रिहा करो' के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पोस्टर जलाए। वहीं, दिल्ली के जंतर-मंतर पर भी पप्पू यादव की रिहाई और नीट छात्रा को न्याय दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन हुआ, जिसमें पीड़िता की मां और परिजन भी शामिल रहे।

परिवारवाद से न बिहार बदलेगा, न देश: नितिन नवीन

- भाजपा अध्यक्ष का विपक्षी दलों पर तीखा प्रहार
- कहा- परिवार केंद्रित राजनीति से गर्त में बिहार

एजेंसी । पटना

राजधानी पटना के बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि व्यक्तिवादी और परिवार-केंद्रित राजनीति करने वाली पार्टियां न तो बिहार को दिशा दे सकती हैं और न ही देश को मजबूत बना सकती हैं। उनका कहना था कि लोकतंत्र संगठन और विचार से चलता है, न कि किसी एक व्यक्ति या परिवार के इर्द-गिर्द। नितिन नवीन ने भाजपा को अवसर और संगठन की पार्टी बताते हुए कहा कि यहां एक सामान्य कार्यकर्ता भी शीर्ष पद तक पहुंच सकता है। यही भाजपा को अन्य दलों से अलग बनाता है। उन्होंने अपने राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए बताया कि साधारण कार्यकर्ता के रूप में शुरू की गई यात्रा आज राष्ट्रीय अध्यक्ष तक पहुंची है, जो संगठन की ताकत को दर्शाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की

सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी को मिली जिम्मेदारी को वे पूरी निष्ठा से निभाएंगे। युवाओं को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि राजनीति में कोई शॉर्टकट नहीं होता, यह धैर्य और निरंतर मेहनत की मांग करती है। भाजपा की वैचारिक जड़ों का उल्लेख करते हुए नितिन नवीन ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पं. दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के विचारों को पार्टी की मार्गदर्शक शक्ति बताया।

बिहार : विधान परिषद में हंगामे की भेंट चढ़ा प्रश्नकाल

राबड़ी और नीतीश आमने-सामने

- कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने अपराध को लेकर किया हंगामा
- दुष्कर्म के मामले में राबड़ी ने नीतीश कुमार से मांगा इस्तीफा

एजेंसी । पटना

बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के पांचवें दिन विधान परिषद का माहौल तीखा राजनीतिक टकराव का गवाह बना। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कानून-व्यवस्था और बढ़ते अपराधों को लेकर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया, जिसके केंद्र में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विधान परिषद में नेता विपक्ष राबड़ी देवी रहे। राजद सदस्य सुनील कुमार ने दरभंगा में छह वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना उठाते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा किया। इसके बाद राबड़ी देवी ने सदन में मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग कर दी।

पप्पू की गिरफ्तारी पर रोष

इससे पहले सदन की कार्यवाही शुरू होने से पूर्व भी विपक्ष ने पोर्टिको में प्रदर्शन किया। नीट छात्रा की मौत और पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव की गिरफ्तारी को लेकर नारे लगाए गए। विपक्षी विधायकों के हाथों में पोस्टर थे, जिन पर लिखा था—'रेप, हत्या, किडनैपिंग कब रुकेगी? कानून है, पर डर नहीं।'

नीतीश ने भी किया पलटवार

विपक्ष के आरोपों पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तीखी प्रतिक्रिया दी। वे अपनी सीट से खड़े हुए और विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि जो लोग आज सवाल उठा रहे हैं ।

व्यापार जगत

पहले दिन बाजार ने दिया 5.88 लाख करोड़

- तेजी की रफ्तार पर शेयर बाजार, निवेशकों की संपत्ति में बढ़ोतरी
- सेंसेक्स और निफ्टी पूरी मजबूती के साथ हरे निशान पर हुआ बंद

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार ने सप्ताह की शुरुआत मजबूती के साथ की और उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बावजूद अंततः हरे निशान में बंद हुआ। खरीदारी के समर्थन से प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में मजबूती दर्ज की गई, जिससे निवेशकों को बड़ा फायदा हुआ। कारोबार समाप्त होने पर बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंकों की बढ़त के साथ 84,065.75 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 173.60 अंक चढ़कर 25,867.30 के स्तर पर पहुंच गया। प्रतिशत के लिहाज से सेंसेक्स में 0.58 और निफ्टी में 0.68 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

दोनों इंडेक्स में उछाल

सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स को छोड़कर लगभग सभी सेक्टर हरे निशान में रहे। कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और हेल्थकेयर शेयरों में जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली। इसके अलावा बैंकिंग, आईटी, ऑटो, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक्नोलॉजी सेक्टर ने भी बाजार को सहारा दिया। ब्रॉडर मार्केट में तेजी और ज्यादा स्पष्ट रही, जहां मिडकैप इंडेक्स 1.60 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 2.60 फीसदी उछल गया।

4527 शेयर्स में हुआ कारोबार

शेयरों की चाल पर नजर डालें तो बीएसई में 4,527 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें 3,104 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। 1,256 शेयरों में गिरावट रही, जबकि 167 शेयर सपाट रहे। एनएसई में 2,936 शेयरों में ट्रेडिंग हुई, जिनमें से 2,324 शेयर फायदे में और 612 शेयर नुकसान में बंद हुए। सेंसेक्स के 30 में से 21 शेयर और निफ्टी के 50 में से 36 शेयर हरे निशान में रहे।

पिछले सत्र से भी ज्यादा कमाई

बाजार की इस मजबूती का सीधा असर निवेशकों की संपत्ति पर पड़ा। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण बढ़कर 473.19 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया, जो पिछले कारोबारी सत्र में 467.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह एक ही दिन में निवेशकों को करीब 5.88 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ।

2026-27 में भी मजबूत रहेगी अर्थव्यवस्था

मूडीज का आकलनः जीडीपी वृद्धि दर 6.4%

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने भारत की आर्थिक रफ्तार को लेकर सकारात्मक अनुमान जताया है। एजेंसी के अनुसार वित्त वर्ष 2026–27 में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रह सकती है, जो जी-20 देशों में सबसे तेज मानी जा रही है। मूडीज की बैंकिंग सिस्टम आउटलुक रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत घरेलू मांग, सरकार के नीतिगत हस्तक्षेप और स्थिर बैंकिंग व्यवस्था भारत की आर्थिक वृद्धि को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि भले ही एमएसएमई सेक्टर में कुछ दबाव उभर सकता है, लेकिन बैंकों के पास संभावित ऋण जोखिम से निपटने के लिए पर्याप्त पूंजी और भंडार मौजूद हैं।

वित्त मंत्रालय के आकलन से थोड़ा कम

हालांकि, मूडीज का यह अनुमान वित्त मंत्रालय की आर्थिक समीक्षा में जताए गए 6.8 से 7.2 प्रतिशत वृद्धि के दायरे से थोड़ा कम है। आधिकारिक आकलन के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2025–26 में भारत की जीडीपी वृद्धि 7.4 प्रतिशत रह सकती है, जो पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है।

मार्च के पहले हफ्ते में अधिसूचित हो सकते हैं नए आयकर नियम

- एक अप्रैल से लागू होगा नया कानून

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में कर व्यवस्था को सरल और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए नए आयकर कानून से जुड़े नियम मार्च के पहले सप्ताह में अधिसूचित किए जाने की संभावना है। यह नया कानून एक अप्रैल से प्रभावी होगा और छह दशक से अधिक समय से लागू आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेगा।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने नए आयकर कानून, 2025 के तहत नियमों और फॉर्म का मसौदा सार्वजनिक कर दिया है। बोर्ड ने इन प्रस्तावित आयकर नियम, 2026 पर 22 फरवरी तक आमजन, विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों से सुझाव आमंत्रित किए हैं।

करदाताओं को दी गई सहूलियत

प्रस्तावित नियमों में करदाताओं की सहूलियत को प्राथमिकता दी गई है। मसौदे के अनुसार नियमों की संख्या में लगभग 35 प्रतिशत की कटौती की गई है। पहले जहां 511 नियम थे, अब उन्हें घटाकर 333 किया गया है। इसी तरह, फॉर्म की संख्या में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी करते हुए 399 से घटाकर 190 कर दिया गया है।

हटाए गए निष्प्रयोज्य प्रावधान

नए आयकर नियमों में भाषा को सरल बनाया गया है और ऐसे प्रावधान हटाए गए हैं, जिनकी वर्तमान में आवश्यकता नहीं रह गई है। साथ ही, फॉर्म का मानकीकरण किया गया है ताकि करदाता बिना भ्रम के विवरण भर सकें। नियमों और फॉर्म को आयकर कानून, 2025 के अनुरूप ढालते हुए अनावश्यक जटिलताओं को समाप्त किया गया है।

प्री-फिल्ड फार्म की सुविधा

कर विभाग ने नियमों और फॉर्म को पूरी तरह 'री-इंजीनियर' किया है। इसके तहत प्री-फिल्ड फॉर्म की सुविधा को बढ़ाया गया है, जिससे पहले से उपलब्ध आंकड़े स्वतः फॉर्म में दर्ज होंगे और गलतियों की संभावना कम होगी। भाषा और प्रक्रिया को इस तरह तैयार किया गया है कि प्रशासनिक, कानूनी और तकनीकी उलझनों से बचा जा सके।

EPFO ला रहा नया डिजिटल प्लेटफॉर्म

- यूपीआई से पीएफ निकासी होगी आसान

एजेंसी । नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) अपने करोड़ों अंशधारकों को डिजिटल सुविधा की बड़ी सौगात देने जा रहा है। अप्रैल से ईपीएफओ का नया मोबाइल ऐप लॉन्च होने की संभावना है, जिसके माध्यम से सदस्य यूपीआई के जरिये सीधे अपने बैंक खाते में पीएफ की राशि निकाल सकेंगे। इस पहल से करीब आठ करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं को त्वरित और सुरक्षित लेनदेन की सुविधा मिलेगी।

खुद ट्रांसफर कर सकेंगे रकम

सूत्रों के मुताबिक श्रम एवं रोजगार मंत्रालय एक ऐसी व्यवस्था विकसित कर रहा है, जिसमें ईपीएफ की एक निर्धारित राशि सुरक्षित रहेगी, जबकि शेष पात्र रकम यूपीआई गेटवे के माध्यम से निकासी के लिए उपलब्ध होगी। नए ऐप के जरिए सदस्य न सिर्फ पीएफ ट्रांसफर कर सकेंगे, बल्कि पासबुक, बैलेंस और अन्य सेवाओं की जानकारी भी तुरंत प्राप्त कर पाएंगे।

विदेशी निवेशकों ने खरीदे ₹2,255 करोड़ के शेयर

एजेंसी । नई दिल्ली

विदेशी निवेशकों ने सोमवार 9 फरवरी को भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तगड़ी खरीदारी की। एक्सचेंजों की ओर से जारी प्रोविजन आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को भारतीय शेयर मार्केट में 2,255 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों (DIIs) की शुद्ध खरीदारी महज 4 करोड़ रुपये रही। आंकड़ों के मुताबिक, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने सोमवार के कारोबार के दौरान 13,573 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे और 13,569 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इससे उनकी शुद्ध खरीद बेहद सीमित रही। दूसरी ओर, विदेशी निवेशकों ने कुल 16,066 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जबकि 13,811 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की। इसके चलते विदेशी निवेशकों का शुद्ध निवेश 2,255 करोड़ रुपये पर रहा, जिसने बाजार को मजबूती देने में अहम भूमिका निभाई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुए। निफ्टी करीब 0.7 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ। ग्लोबल बाजारों से मिले मजबूत संकेत से मार्केट के सेंटीमेंट को मजबूतीस मिली। एशियाई बाजारों में भी सोमवार को जोरदार तेजी देखने को मिली, जहां जापान के बाजारों ने राजनीतिक स्थिरता से जुड़े संकेतों के बाद रिकॉर्ड स्तर छू लिए।

दावोस में भारत का रंगीत; मानव-केंद्रित शिक्षा का रखा वैश्विक पक्ष

एजेंसी । नई दिल्ली

विश्व आर्थिक मंच (डब्लूईएफ) 2026 के दौरान भारतीय सामाजिक उद्यम रंगीत ने मानव-केंद्रित शिक्षा और जिम्मेदार प्रौद्योगिकी उपयोग पर वैश्विक विमर्श में सक्रिय भागीदारी की। एक सप्ताह तक चली इस उच्च-स्तरीय भागीदारी में रंगीत ने कक्षा-स्तर के वास्तविक अनुभवों के आधार पर शिक्षा के भविष्य को लेकर अहम अंतर्दृष्टि शेयर की। रंगीत की नेतृत्व टीम ने ह्यूमन चेंज, ग्लोबल सिटिजन, अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (एपीए), सेंटर फॉर ह्यूमेन टेक्नोलॉजी और ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन जैसे प्रतिष्ठित वैश्विक संगठनों के साथ पैनल चर्चाओं और बंद दरवाजों वाली गोलमेज बैठकों में हिस्सा लिया। इन चर्चाओं में बचपन में स्मार्टफोन उपयोग, कक्षाओं में जिम्मेदार तकनीक, और शिक्षा को अधिक मानवीय बनाए रखने जैसे अहम मुद्दों पर विचार हुआ। रंगीत की सीईओ और सह-संस्थापक सिमरन मुलचंदानी

ने बच्चों को असीमित डिजिटल एक्सपोजर से बचाने और सहानुभूति, रचनात्मकता व लचीलापन जैसे मानवीय गुणों को शिक्षा का केंद्र बनाए रखने पर जोर दिया। वहीं, रंगीत में हेड, टीचर कम्युनिटी एंड टेक अनिर चौधरी ने कहा कि तकनीक एक सहायक उपकरण हो सकती है, शिक्षक का स्थान नहीं ले सकती। दावोस में रंगीत ने भारत, बांग्लादेश और नाइजीरिया की कक्षाओं से मिले अनुभव साझा किए, जिनमें मुंबई की बीएमसी स्कूलों में लागू SEEK© पाठ्यक्रम भी शामिल है। रंगीत की भागीदारी ने यह रेखांकित किया कि भारत न केवल शिक्षा समाधानों का बड़ा बाजार है, बल्कि वैश्विक शिक्षा नवाचारों की एक सशक्त प्रयोगशाला भी बन रहा है।

इटली पर दमदार जीत से स्कॉटलैंड ने खाता खोला

मुन्से के अर्धशतक और लीस्क के चार विकेट से स्कॉटलैंड 73 रन से विजयी

एजेंसी । कोलकाता

आईसीसी टी-20 विश्व कप के ग्रुप सी मुकाबले में स्कॉटलैंड ने इटली के खिलाफ एकतरफा जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट में अपना दबदबा साबित कर दिया है। कोलकाता में खेले गए इस मैच में स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन के भारी अंतर से शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही स्कॉटलैंड ने न केवल अंक तालिका में अपना खाता खोला, बल्कि अन्य टीमों को अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और धारदार गेंदबाजी से आगाह भी कर दिया।

स्कॉटलैंड की पारी की शुरुआत बेहद दमदार रही। सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से ने पहले ही ओवर से इटली के गेंदबाजों पर धावा बोल दिया। मुन्से ने 54 गेंदों में 14 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 84 रनों की शानदार पारी खेली। उन्हें माइकल जोन्स (37) का बखूबी साथ मिला और दोनों ने पहले विकेट के लिए 126 रनों की विशाल साझेदारी की।

इटली की लड़खड़ाती शुरुआत और कप्तानी संकट

208 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी इटली की शुरुआत किसी डरावने सपने जैसी रही। पारी की पहली ही गेंद पर सलामी बल्लेबाज जस्टिन मोस्का अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बाद इटली को एक और बड़ा झटका लगा जब कप्तान वेन मेडसन चौथे ओवर में चोटिल होकर मैदान से बाहर चले गए। पावरप्ले तक इटली ने 54 रन पर अपने 3 महत्वपूर्ण विकेट खो दिए थे, जिससे टीम गहरे दबाव में आ गई। मुश्किल समय में बेन मानेंती और हैरी मानेंती ने इटली की पारी को संवारने का प्रयास किया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 73 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई। बेन मानेंती ने 29 गेंदों में अर्धशतक जड़कर इतिहास रचा; वह टी-20 विश्व कप में अर्धशतक लगाने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बने।

मध्यक्रम का प्रहार और रिकॉर्ड स्कोर

सलामी जोड़ी के आउट होने के बाद ब्रैंडन मैकमुलेन और माइकल लीस्क ने पारी को संभाला। मैकमुलेन ने मात्र 18 गेंदों में 4 छक्कों के साथ नाबाद 41 रन बनाए, जबकि लीस्क ने अंतिम ओवर में तूफान लाते हुए 5 गेंदों में नाबाद 22 रन ठोक दिए। लीस्क ने थॉमस ड्रेका के आखिरी ओवर में 2 छक्के और 2 चौके जड़कर स्कोर को 207 रन तक पहुंचा दिया। इसके साथ ही स्कॉटलैंड मौजूदा विश्व कप में 200 का आंकड़ा छूने वाली पहली टीम बन गई।

नंबर गेम

2405 रन कुल जॉर्ज मुन्से टी-20 में बनाकर स्कॉटलैंड के शीर्ष स्कोरर बने

207 रन पुरुष टी-20 विश्व कप में किसी भी एसोसिएट टीम का सबसे बड़ा स्कोर

126 रन जोड़ स्कॉटिश ओपनरों ने टी-20 विश्व कप इतिहास में पहली बार शतकीय साझेदारी की

64 रन जॉर्ज मुन्से ने सिर्फ बाउंड्री से बनाए, स्कॉटलैंड के माइकल जोन्स (48) का रिकॉर्ड तोड़ा

माइकल लीस्क का गेंदबाजी में कहर

बल्लेबाजी में चमक बिखेरने के बाद माइकल लीस्क ने गेंद से भी कहर बरपाया। अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी से उन्होंने इटली के मध्यक्रम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। लीस्क ने केवल 17 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके, जिसमें हैरी मानेंती और बेन मानेंती के बड़े विकेट भी शामिल थे। उनकी इस घातक गेंदबाजी के कारण इटली की पूरी टीम 16.4 ओवर में मात्र 134 रनों पर सिमट गई।

अंततः स्कॉटलैंड ने 73 रनों से जीत हासिल कर टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। जॉर्ज मुन्से को उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी और माइकल लीस्क को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन (22 रन और 4 विकेट) के लिए जीत का मुख्य सूत्रधार माना गया। इटली के लिए बेन मानेंती का अर्धशतक एकमात्र सकारात्मक पहलू रहा, लेकिन स्कॉटलैंड के संतुलित खेल के सामने उनकी टीम टिक नहीं सकी।

42 बार के चैंपियन मुंबई को चित कर कर्नाटक सेमीफाइनल में

- राहुल के 24वें प्रथम श्रेणी शतक की मदद से चार विकेट से दर्ज की जीत
- फाइनल में जगह बनाने के लिए अब उत्तराखंड से होगी भिड़ंत

एजेंसी । मुंबई

42 बार की चैंपियन मुंबई की टीम रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई। भारतीय बल्लेबाज लोकेश राहुल के 24वें प्रथम श्रेणी शतक की बदौलत कर्नाटक ने सोमवार को मुंबई को चार विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब सेमीफाइनल में कर्नाटक की भिड़ंत उत्तराखंड से होगी।

15वीं बार सेमीफाइनल में

राहुल ने 182 गेंद में 14 चौकों और एक छक्के से 130 रन की पारी खेली। इससे कर्नाटक ने 325 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 325 रन बनाकर जीत दर्ज की। आठ बार की चैंपियन कर्नाटक की टीम 15वीं बार सेमीफाइनल में पहुंची है। राहुल को रविचंद्रन स्मरण के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला। उन्होंने अपनी नाबाद 83 रन की पारी में 123 गेंद पर 11 चौके लगाए। दोनों ने मैच के चौथे दिन चौथे विकेट के लिए 147 रन की साझेदारी करके कर्नाटक की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राहुल की पारी की बदौलत कर्नाटक लंच तक तीन विकेट पर 265 रन बनाकर बेहद मजबूत स्थिति में पहुंच गया था। राहुल हालांकि लंच के तुरंत बाद तुषार देशपांडे का शिकार बने। 22 साल के स्मरण ने इसके बाद अपना विकेट बचाने को तरजीह दी जबकि विद्याधर पाटिल ने 30 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से नाबाद 31 रन की पारी खेलकर कर्नाटक को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इससे पहले राहुल ने कोटियान की गेंद पर चौके के साथ शतक पूरा किया। आकिब ने जम्मू-कश्मीर को दिलाया अंतिम चार का टिकट इंदौर। तेज गेंदबाज आकिब नबी ने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए मैच में 12 विकेट झटके। इससे जम्मू कश्मीर ने क्वार्टर फाइनल के चौथे दिन मध्य प्रदेश को 56 रन से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

नंबर गेम

42 बार के चैंपियन मुंबई को चित कर कर्नाटक सेमीफाइनल में

130 रन राहुल ने 182 गेंद में 14 चौकों और एक छक्के से बनाए

08 बार की चैंपियन कर्नाटक की टीम 15वीं बार अंतिम चार में पहुंची

दूसरी पारी में भी जड़ा पंच

पहली पारी में सात विकेट लेने वाले 29 वर्षीय नबी ने दूसरी पारी में पांच विकेट झटके। इससे 291 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही 2021-22 की चैंपियन मध्य प्रदेश की टीम 234 रन पर आउट हो गई। जम्मू कश्मीर सेमीफाइनल में बंगाल और आंध्र के बीच खेले जा रहे क्वार्टर फाइनल के विजेता से खेलेगा। मध्य प्रदेश ने सुबह दूसरी पारी पांच विकेट पर 84 रन से आगे शुरू की। आकिब ने रामवीर गुर्जर और फिर सारांश जैन को आउट कर मैच में दूसरी बार पांच विकेट झटकने का कारनामा पूरा किया। सारंश ने 81 गेंद में 64 रन बनाए। आर्यन पांडे 22 रन बनाकर आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे। बाएं हाथ के स्पिनर आबिद मुश्ताक ने 49 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

न्यूज़ ब्रीफ

मनु को 25 मीटर पिस्टल में रजत पदक, वियतनाम की ट्रेंग को स्वर्ण

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर स्वर्ण पदक जीतने के बेहद करीब पहुंचकर रोमांचक शूट-ऑफ में पिछड़ गईं। फाइनल के दौरान वियतनाम की एनगुयेन थुय ट्रेंग और मनु दोनों का स्कोर 35-35 की बराबरी पर रहा। इसके बाद हुए निर्णायक शूट-ऑफ में वियतनामी खिलाड़ी ने बाजी मारते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा किया और मनु को रजत से संतोष करना पड़ा। वहीं, भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन नौवीं सीरीज में सभी शॉट चूकने के कारण वह स्वर्ण की दौड़ से बाहर हो गईं और उन्हें कांस्य पदक मिला। व्यक्तिगत पदकों के अलावा भारतीय महिला निशानेबाजों ने अपनी एकजुटता का परिचय देते हुए टीम स्पर्धा में दबदबा बनाया। मनु भाकर, ईशा सिंह और रिदम सांगवान की तिकड़ी ने कुल 1,751 अंक जुटाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में चीनी ताइपे (1,735 अंक) को रजत और वियतनाम (1,729 अंक) को कांस्य पदक मिला।

'यह तो शुरुआत है, अभी रास्ता लंबा है'

बेंगलुरु। भारत के नए डेविस कप हीरो दक्षिणेश्वर सुरेश का कहना है कि देश के लिए उनका शानदार प्रदर्शन 'बस शुरुआत है'। वह पढ़ाई पूरी करने के बाद एटीपी टेनिस टूर पर पूरी तरह से प्रतियोगिता में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। वेक फॉरेस्ट युनिवर्सिटी में 'कम्युनिकेशन स्टडीज' की पढ़ाई कर रहे 25 वर्षीय दक्षिणेश्वर मई में डिग्री पूरी करेंगे। सितंबर 2025 में पदार्पण के बाद सिर्फ दो मुकाबलों में दक्षिणेश्वर ने अपने सभी चार मैच जीते हैं। इनमें से तीन जीत उन्हें पिछले सप्ताहांत नीदरलैंड्स के खिलाफ मिलीं। उन्होंने कहा, अभी लंबा रास्ता तय करना है।

सूर्या की कप्तानी ने काम आसान किया : गंभीर

नई दिल्ली। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सूर्यकुमार यादव की 'संयमित नेतृत्व क्षमता' की तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि टी-20 प्रारूप में कप्तान के तौर पर वह सभी कसौटी पर खरे उतरते हैं और इससे उनका दबाव भरा काम आसान हो जाता है। एक छोटे वीडियो में गंभीर ने कहा कि मौजूदा विश्व कप में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज का कप्तान होना भारत के लिए सौभाग्य की बात है। गंभीर ने कहा, वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान है, यह सिर्फ इसलिए नहीं कि वह मैदान पर क्या करता है, या बल्लेबाज के रूप में कैसा है, या उसके शॉट्स कैसे हैं। कोच के तौर पर कभी-कभी आपके दिमाग में कई बातें होती हैं, पर जब आप जानते हैं कि सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखेंगे, जैसा किसी भी कोच का सपना होता है, तो बहुत कुछ आसान हो जाता है।

बैडमिंटन को नया रूप देने के लिए अगले साल से व्यापक बदलाव

कुआलालंपुर। अगले साल से बैडमिंटन का वैश्विक कैलेंडर 36 टूर्नामेंटों की छह-स्तरीय संरचना में विभाजित होगा, जिसमें पहली बार सुपर 100 टूर्नामेंटों को मुख्य टूर का हिस्सा बनाया गया है। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव सुपर 1000 टूर्नामेंटों में दिखेगा, जिनकी संख्या अब पांच होगी। ये टूर्नामेंट अब 11 दिनों तक चलेंगे, जिनमें एकल वर्ग के 48 खिलाड़ी पहले ग्रुप चरण और फिर एलिमिनेशन राउंड में खेलेंगे। इस नई व्यवस्था से टीवी पर प्रसारित होने वाले मैचों की संख्या 1,410 से सीधे 3,000 तक पहुंच जाएगी।

बॉलीवुड

आमिर खान प्रोडक्शंस की लाहौर 1947 की रिलीज़ डेट का ऐलान

आमिर खान प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लाहौर 1947' की रिलीज़ डेट की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। यह पीरियड ड्रामा फिल्म 13 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस सप्ताह के दौरान सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। देशभक्ति के जज़्बे और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही खासा उत्साह है। यह फिल्म कई मायनों में खास मानी जा रही है, क्योंकि पहली बार सनी देओल, निर्देशक राजकुमार संतोषी और निर्माता आमिर खान एक साथ काम कर रहे हैं। फिल्म की कहानी विभाजन काल की पृष्ठभूमि पर आधारित बताई जा रही है। आमिर खान ने फिल्म को लेकर भावुक प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ₹यह धरमजी की सबसे पसंदीदा स्क्रिप्ट्स में से एक थी और मुझे बेहद खुशी होती अगर वह यह फिल्म देख पाते। आमिर के इस बयान ने फिल्म को लेकर भावनात्मक जुड़ाव और बढ़ा दिया है। फिल्म की स्टार कास्ट भी बेहद मजबूत है। शबाना आज़मी, प्रीति जिंटा और करण देओल इसमें अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। संगीत की कमान दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान ने संभाली है, जबकि गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं। हालिया ब्लॉकबस्टर सफलताओं के बाद सनी देओल एक बार फिर बड़े पर्दे पर दमदार अंदाज़ में लौटने जा रहे हैं, जिससे 'लाहौर 1947' को लेकर दर्शकों की उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं।

'स्पिरिट' छोड़ने की खबरों पर प्रकाश राज ने दी सफाई

साउथ सुपरस्टार प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्पिरिट' इन दिनों अपनी स्टारकास्ट और बड़े पैमाने की वजह से लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। हाल ही में सोशल मीडिया पर ऐसी चर्चाएं तेज थीं कि दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज ने क्रिएटिव मतभेदों के चलते फिल्म से दूरी बना ली है। इन अफवाहों ने फैंस के बीच हलचल बढ़ा दी थी, खासकर इसलिए क्योंकि इससे पहले भी फिल्म कास्टिंग विवादों को लेकर चर्चा में रह चुकी है। दरअसल, कुछ समय पहले खबर आई थी कि दीपिका पादुकोण ने भी इस प्रोजेक्ट से किनारा कर लिया था। ऐसे में प्रकाश राज को लेकर उठी नई अटकलों ने फिल्म को फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया। हालांकि अब खुद अभिनेता ने सामने आकर इन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। दिए एक इंटरव्यू में प्रकाश राज ने स्पष्ट कहा,ये सब बेबुनियाद अटकलें हैं। मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि वह फिल्म का हिस्सा हैं और शूटिंग से जुड़े हुए हैं। ही चर्चा में है। 'स्पिरिट' की रिलीज 5 मार्च को तय मानी जा रही है।

रणवीर के फैसले से 40 करोड़ का नुकसान

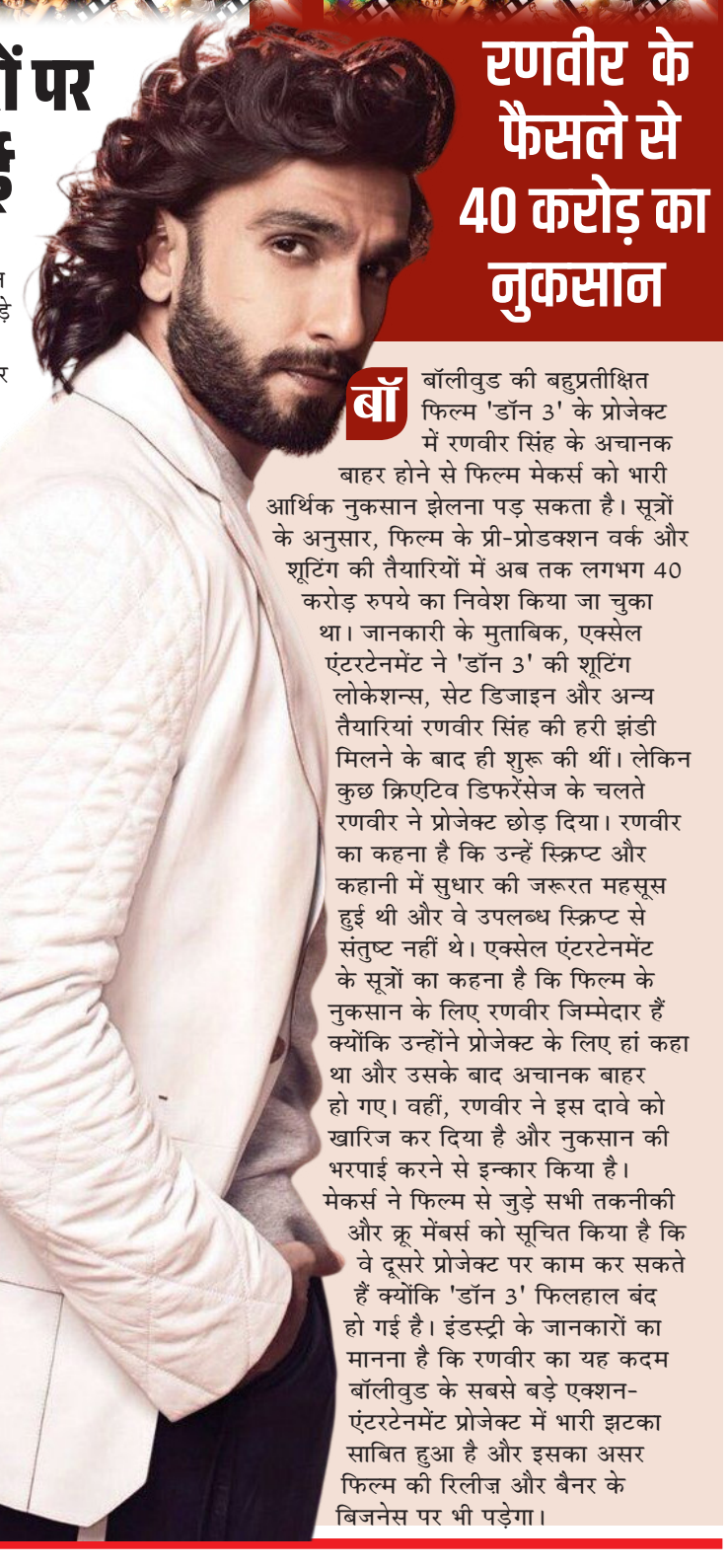

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डॉन 3' के प्रोजेक्ट में रणवीर सिंह के अचानक बाहर होने से फिल्म मेकर्स को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है। सूत्रों के अनुसार, फिल्म के प्री-प्रोडक्शन वर्क और शूटिंग की तैयारियों में अब तक लगभग 40 करोड़ रुपये का निवेश किया जा चुका था। जानकारी के मुताबिक, एक्सेल एंटरटेनमेंट ने 'डॉन 3' की शूटिंग लोकेशन्स, सेट डिजाइन और अन्य तैयारियां रणवीर सिंह की हरी झंडी मिलने के बाद ही शुरू की थीं। लेकिन कुछ क्रिएटिव डिफरेंसेज के चलते रणवीर ने प्रोजेक्ट छोड़ दिया। रणवीर का कहना है कि उन्हें स्क्रिप्ट और कहानी में सुधार की जरूरत महसूस हुई थी और वे उपलब्ध स्क्रिप्ट से संतुष्ट नहीं थे। एक्सेल एंटरटेनमेंट के सूत्रों का कहना है कि फिल्म के नुकसान के लिए रणवीर जिम्मेदार हैं क्योंकि उन्होंने प्रोजेक्ट के लिए हां कहा था और उसके बाद अचानक बाहर हो गए। वहीं, रणवीर ने इस दावे को खारिज कर दिया है और नुकसान की भरपाई करने से इन्कार किया है। मेकर्स ने फिल्म से जुड़े सभी तकनीकी और क्रू मेंबर्स को सूचित किया है कि वे दूसरे प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं क्योंकि 'डॉन 3' फिलहाल बंद हो गई है। इंडस्ट्री के जानकारों का मानना है कि रणवीर का यह कदम बॉलीवुड के सबसे बड़े एक्शन-एंटरटेनमेंट प्रोजेक्ट में भारी झटका साबित हुआ है और इसका असर फिल्म की रिलीज़ और बैनर के बिजनेस पर भी पड़ेगा।

अरिजीत सिंह की मंच पर वापसी

बॉलीवुड के लोकप्रिय गायक अरिजीत सिंह इन दिनों फिर से सुर्खियों में हैं। जनवरी की शुरुआत में उन्होंने अचानक प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने का ऐलान किया था, जिसने संगीत प्रेमियों को निराश किया था। अब कुछ ही दिनों बाद अरिजीत ने कोलकाता में एक सार्वजनिक मंच पर परफॉर्म कर दर्शकों को चौंका दिया है।

अरिजीत की यह पहली सार्वजनिक प्रस्तुति संन्यास की घोषणा के बाद बहुत खास रही। नेताजी इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने सितार वादक अनुष्का शंकर और तालवादक बिक्रम घोष के साथ मिलकर मंच शेयर किया। इस मौके पर अरिजीत ने बंगाली क्लासिक गीत 'माया भोरा राती' अपनी आवाज़ में पेश किया, जो मूल रूप से लक्ष्मी शंकर द्वारा गाया गया था। उनके सुर और मंचीय उपस्थिति ने पूरे कार्यक्रम को एक भावनात्मक अनुभव में बदल दिया।

इस कार्यक्रम में दर्शकों की भागीदारी भी अभूतपूर्व रही। कोलकाता के संगीत प्रेमियों ने अरिजीत के साथ बैठकर गीतों का आनंद लिया और उन्हें जोरदार तालियों से सराहा। सोशल मीडिया पर भी उनकी इस प्रस्तुति को लेकर प्रशंसकों की प्रतिक्रियाएं उत्साह और प्यार से भरी हुई हैं। अरिजीत की गायकी ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि उनका संगीत लोगों के दिलों को छू जाता है, भले ही वह प्लेबैक सिंगिंग को अलविदा कह चुके हों।

इस प्रस्तुति ने न केवल उनके फैंस को खुशी दी, बल्कि यह संकेत भी दिया कि अरिजीत सिंह संगीत के प्रति अपने जज्बे को जीवंत रखने के लिए नए मंचों की तलाश में हैं। उनके फैंस अब आगे क्या सुनने को मिलेगा, इस इंतज़ार में हैं।

बंगाल एसआईआर मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त

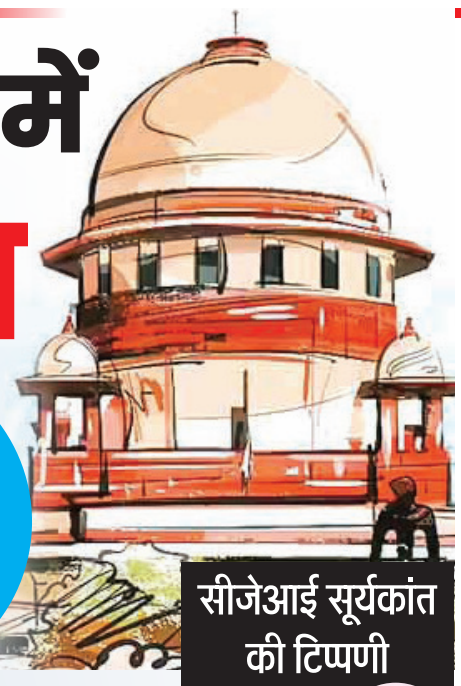

सुप्रीम कोर्ट ने रुकावट डालने वालों को दी चेतावनी

अंतिम मतदाता सूची जारी करने का समय बढ़ाया, डीजीपी से मांगा हलफनामा

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से पहले निर्वाचन आयोग मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करा रहा है। मतदाता सूची से जुड़ा यह विवाद सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। कोर्ट ने आज इस मामले में अहम दिशा-निर्देश दिए। चीफ जस्टिस ने एसआईआर की समयसीमा बढ़ाने का भी निर्देश दिया। सीजेआई सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (SIR) की डेडलाइन एक सप्ताह और बढ़ाई जा रही है।

डेडलाइन एक सप्ताह बढ़ाई गई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, निर्वाचन आयोग (ECI) को पश्चिम बंगाल एसआईआर प्रक्रिया के बाद फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश करने के लिए और समय दिया जा रहा है। एसआईआर की डेडलाइन 14 फरवरी से एक हफ्ते आगे बढ़ाई जा रही है।

कोर्ट ने इस आधार पर बढ़ाई समयसीमा

माइक्रो ऑब्जर्वर या राज्य सरकार के अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारी केवल ईआरओ की सहायता करना होगी, क्योंकि अंतिम निर्णय ईआरओ का ही होगा। चूंकि सरकारी अधिकारियों का एक नया समूह शामिल किया गया है, इसलिए प्रभावित व्यक्तियों द्वारा जमा किए गए दस्तावेजों की जांच प्रक्रिया में अधिक समय लगने की संभावना है। इसलिए ईआरओ को जांच पूरी करने और निर्णय लेने के लिए 14 फरवरी के बाद एक सप्ताह का अतिरिक्त समय दिया जाए।

बंगाल के डीजीपी को हलफनामा दायर करने का निर्देश

सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने कहा कि कुछ बदमाशों / असामाजिक तत्वों ने अपने नोटिस जला डाले। इस आरोप पर कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक (DGP) हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ और बातों पर भी जोर दिया। कोर्ट ने इस बात का संज्ञान लिया कि मैनपावर की कमी के कारण चुनाव आयोग को माइक्रो-ऑब्जर्वर्स लगाने पड़े थे। इस पर वकील श्याम दीवान ने कहा, राज्य सरकार ने 8,500 अधिकारियों की व्यवस्था कर ली है। इस पर सीजेआई ने चुनाव आयोग से पूछा कि क्या आपको इन अधिकारियों की सूची मिल गई है? आयोग के वकील ने कहा कि अभी तक कोई नाम नहीं मिला है।

बंगाल सरकार ने अधिकारियों का ब्योरा दिया

पश्चिम बंगाल सरकार की तरफ से पूर्व मुख्य सचिव और वर्तमान प्रधान सचिव मनोज पंत भी कोर्ट में मौजूद रहे। सीजेआई के सवाल पर पंत ने कहा कि 292 ईआरओ (ग्रुप-ए, एसडीएम रैंक) के नाम भेजे गए हैं। कुछ आईएएस भी हैं। कुल 8,525 सहायक ईआरओ हैं। अधिकारियों की सूची में 65 प्रतिशत ग्रुप-बी, 10-12 प्रतिशत ग्रुप-सी और बाकी ग्रुप-ए के अधिकारी हैं। सीजेआई ने आयोग से कहा कि वे एईआरओ बदलने पर विचार करें। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से कहा कि आयोग ने कभी ग्रुप-बी अधिकारियों की मांग नहीं की थी। यह सुझाव कोर्ट से आया था, इसलिए विवरण जुटाने में समय लगा। सिंघवी ने कहा कि ईमेल भेज दिया गया है।

तीन जजों की पीठ ने बंगाल सरकार को दिए अहम आदेश

तारीख बढ़ाने का आदेश पारित करने से पहले चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया में लगे सभी अधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) को रिपोर्ट करेंगे। कोर्ट ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील को अनुशासन का पाठ भी पढ़ाया। उन्होंने कहा कि सब एक साथ बोल रहे हैं और एक-दूसरे की बात काट रहे हैं, जिससे सुनवाई करना मुश्किल हो रहा है। चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली इस पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और एनवी अंजरिया भी शामिल हैं।

महिला वकील की दलील पर नाराज हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत

दरअसल, ममता बनर्जी की तरफ से पेश वरिष्ठ वकील श्याम दीवान ने कहा, बीते चार फरवरी को अदालत ने नोटिस जारी किया, जिसमें कई टिप्पणियां थीं। बीते हफ्ते में कई बदलाव हुए हैं। इसी बीच सीनियर एडवोकेट मेनका गुरुस्वामी के हस्तक्षेप पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने नाराजगी प्रकट करते हुए कहा कि ये कोई बाजार नहीं है। कोर्ट में अनुशासन और गरिमा बनाए रखें। मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि मंदिरों की देखरेख करने वाले एक संगठन ने एक याचिका दायर की है। उनका इस मामले में क्या हित हो सकता है? उनकी इस दलील पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, बारी-बारी से सुनते हैं। अगर अनुशासन बनाए नहीं रखा गया तो आपको चीफ जस्टिस के का स्वभाव पता होना चाहिए। तल्ख लहजे में जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा- आप किसी बाजार में बैठे हैं या अदालत में हैं?

सीजेआई सूर्यकांत की टिप्पणी

पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को आसान बनाने और चिंताओं के समाधान के लिए कोर्ट अंतरिम निर्देश जारी कर रही है। राज्य सरकार सुनिश्चित करे कि सभी 8,555 ग्रुप बी अधिकारी, जिनकी सूची आज सौंपी गई है, शाम 5 बजे तक जिला चुनाव अधिकारियों (डीआरओ) को रिपोर्ट करें। चुनाव आयोग (ईसीआई) के पास मौजूदा ईआरओ और एईआरओ को बदलने और योग्य पाए जाने पर अधिकारियों की सेवाओं का उपयोग करने का अधिकार होगा।

निर्वाचन आयोग के वकील ने क्या दलीलें दीं?

सुनवाई के दौरान सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, अदालत के फैसले से यह संदेश जाना चाहिए कि भारत का संविधान सभी राज्यों पर लागू होता है। निर्वाचन आयोग ने एक हफ्ते पहले ही विस्तृत हलफनामा फाइल किया है। इसमें बहुत चिंताजनक बातें है। एक सांविधानिक संस्था शीर्ष कोर्ट को कुछ बताना चाहती है।

कमजोर पश्चिमी विक्षोभ से सूखी रही सर्दी

एजेंसी । नई दिल्ली

उत्तर भारत में इस बार सर्दियों के दौरान बारिश की भारी कमी देखी गई है, जिसका मुख्य कारण 'पश्चिमी विक्षोभ' का कमजोर होना है। मौसम विभाग के मानकों के अनुसार, जब बारिश औसत से 20 प्रतिशत या उससे अधिक कम होती है, तो उसे 'वर्षा की कमी' माना जाता है। इस सर्दी जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में बारिश के दिनों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। उदाहरण के लिए, उत्तराखंड में बारिश के दिनों में औसत के मुकाबले 67.1 प्रतिशत की कमी आई है। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा जैसे मैदानी इलाकों में भी दिसंबर का महीना लगभग पूरी तरह शुष्क रहा, जो हाल के वर्षों में एक दुर्लभ और चिंताजनक स्थिति है।

पश्चिमी विक्षोभ की घटती तीव्रता

उत्तर भारत में सर्दियों की बारिश पूरी तरह से पश्चिमी विक्षोभों पर निर्भर करती है। इस सीजन में इन विक्षोभों की संख्या और ताकत दोनों ही औसत से काफी नीचे रही हैं। आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में केवल 12 विक्षोभ दर्ज किए गए, जिनकी तीव्रता ऐतिहासिक रूप से बहुत कम थी। अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2022 और 2025 हाल के उन वर्षों में शामिल हैं जहाँ पश्चिमी विक्षोभ अपने सबसे कमजोर स्तर पर देखे गए, जिससे हिमालयी क्षेत्रों में बर्फबारी और मैदानी इलाकों में वर्षा का संतुलन बिगड़ गया है।

भविष्य के रुझान और वैज्ञानिक विश्लेषण

विशेषज्ञों के बीच इस बात को लेकर बहस जारी है कि क्या यह गिरावट स्थायी है। हालांकि आंकड़ों से यह स्पष्ट नहीं होता कि इनकी औसत तीव्रता में कोई स्थायी कमी आई है, लेकिन इनकी आवृत्ति (Frequency) में बदलाव के संकेत जरूर मिल रहे हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि यह मौसम के प्राकृतिक चक्र का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, लंबे समय के रुझानों को समझने के लिए अभी और अधिक सटीक निगरानी और शोध की आवश्यकता है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या ग्लोबल वार्मिंग इस पैटर्न को बदल रही है।

जलवायु परिवर्तन और संभावित खतरे

जलवायु मॉडलों की चेतावनी है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन इसी गति से जारी रहा, तो भविष्य में पश्चिमी विक्षोभ और भी कमजोर हो सकते हैं। इसका सीधा असर हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र पर पड़ेगा। पश्चिमी विक्षोभ की कमी का अर्थ है कम बर्फबारी, जिससे ग्लेशियरों के पिघलने की दर प्रभावित होगी और उत्तर भारत की नदियों के जल स्तर में गिरावट आ सकती है। यह स्थिति न केवल कृषि के लिए बल्कि जल सुरक्षा के लिए भी एक गंभीर चुनौती पैदा कर सकती है।

न्यूज़ ब्रीफ

तेलंगाना सीएम ने राज्य के विकास और फंडिंग पर उठाए गंभीर सवाल

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला किया और कहा कि दक्षिणी राज्यों को उनका हक का फंड नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस बार के नगरपालिका चुनावों में तीन राजनीतिक दल प्रतिस्पर्धा में हैं बीआरएस, जो पिछले दस वर्षों से राज्य में सत्ता में है, भाजपा, जो केंद्र में सत्ता में है और कांग्रेस, जो राज्य में सत्ता में है। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाबूबनगर आए और पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट इरिगेशन योजना को राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा देने का वादा किया। मैं इंतजार कर रहा था कि यह वादा पूरा होगा या नहीं, उसके बाद वोट मांगूंगा।

कानून का पालन नहीं करने पर 703 कंपनियों पर जुर्माना

नई दिल्ली। सरकार ने मौजूदा वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में कंपनी कानून के प्रावधानों का पालन न करने पर 703 कंपनियों पर कुल 55 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया है। सोमवार को लोकसभा में लिखित जवाब में आंकड़ा देते हुए कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि ऐसा कोई ट्रेंड नहीं दिख रहा है जिससे पता चले कि कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों का पालन न करने के मामलों में बढ़ोतरी हुई है। 2024-25 वित्त वर्ष के लिए 1,066 कंपनियों पर जुर्माना लगाया गया था और कुल जुर्माना 109 करोड़ रुपये था।

कुलदीप सेंगर की जमानत पर विचार करने से इनकार

नई दिल्ली। उन्नाव दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हिरासत में हुई मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जेल में बंद भाजपा से निष्कासित भाजपा नेता कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। हालांकि शीर्ष अदालत ने दिल्ली उच्च न्यायालय से सेंगर की अपील पर 3 माह के भीतर सुनवाई पूरी करके फैसला करने को कहा है, जिसमें उन्होंने निचली अदालत द्वारा इस मामले में दोषी ठहराकर दी गई सजा को चुनौती दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और एनवी अंजारिया की पीठ ने उच्च न्यायालय से यह भी कहा है कि यदि पीड़ित परिवार की ओर से भी कोई अपील दाखिल की गई है, तो सेंगर की याचिका के साथ उस पर भी सुनवाई पूरी की जाए।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा हिमंत का शूटिंग वीडियो विवाद

पूर्व एलजी समेत 12 ने दायर की पीआईएल, 2 अन्य मुख्यमंत्रियों को भी लपेटा

एजेंसी । नई दिल्ली

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से जुड़े कथित 'शूटिंग वीडियो' को लेकर विवाद अब सुप्रीम कोर्ट तक पहुँच गया है। दिल्ली के पूर्व उप राज्यपाल नजीब जंग समेत 12 सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शीर्ष अदालत में एक जनहित याचिका (PIL) दायर कर उच्च संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों द्वारा नफरत फैलाने और गैर-जिम्मेदाराना बयान देने का आरोप लगाया है। याचिका में कहा गया है कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा समेत कई वरिष्ठ मंत्री और राज्यपाल लगातार ऐसे बयान दे रहे हैं, जो मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाते हैं और संविधान द्वारा निर्धारित मूल्यों व मर्यादाओं का उल्लंघन करते हैं।

हिमंत के अलावा इन लोगों पर भी आरोप

याचिका में दावा किया गया है कि हाल के वर्षों में कई उच्च पदस्थ जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए बयान गंभीर चिंता का विषय हैं। इनमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के कथित मुस्लिम-विरोधी बयान, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की टिप्पणियाँ और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा विधानसभा में की गई "कठमुल्ला" संबंधी टिप्पणी का उल्लेख किया गया है।

अब निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकीं

याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि इस तरह के बयान न केवल अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ नफरत को बढ़ावा देते हैं, बल्कि देश की संवैधानिक व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द और लोकतांत्रिक मूल्यों को भी कमजोर करते हैं। अब निगाहें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हैं कि वह इस मामले में क्या रुख अपनाता है और क्या उच्च पदों पर बैठे लोगों की सार्वजनिक बयानबाज़ी के लिए कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश तय किए जाते हैं।

गौरव गोगोई रावलपिंडी यात्रा को लेकर स्पष्टीकरण दें : सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के बीच पाकिस्तान यात्रा को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। मुख्यमंत्री ने गोगोई की रावलपिंडी जिले में स्थित तक्षशिला यात्रा पर सवाल उठाते हुए स्पष्टीकरण की मांग की है। सरमा का दावा है कि गोगोई के वीजा में केवल लाहौर, कराची और इस्लामाबाद जाने की अनुमति थी, जबकि पाकिस्तान के नियमों के अनुसार निर्धारित शहरों से बाहर जाना बिना विशेष अनुमति के प्रतिबंधित है। मुख्यमंत्री ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय सुरक्षा और आव्रजन नियमों के उल्लंघन से जोड़ते हुए 'एक्स' पर अपनी चिंता साझा की है।

वीजा उल्लंघन और सुरक्षा से जुड़े सवाल

मुख्यमंत्री सरमा ने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया है कि तक्षशिला, इस्लामाबाद का हिस्सा नहीं बल्कि रावलपिंडी जिले में आता है, जहाँ पाकिस्तानी सेना का मुख्यालय भी स्थित है। उन्होंने सवाल किया कि बिना वैध वीजा मंजूरी के गोगोई को वहां जाने में किसने मदद की? दूसरी ओर, गौरव गोगोई ने अपनी प्रेस वार्ता में स्पष्ट किया कि उन्होंने अपनी पत्नी के साथ उचित अनुमति लेकर ही तक्षशिला का दौरा किया था। हालांकि, सरमा ने उनके इस जवाब को अपर्याप्त बताते हुए मामले में अधिक पारदर्शिता और तथ्यात्मक स्पष्टीकरण की आवश्यकता जताई है।

मणिपुर के उखरुल में फिर भड़की हिंसा

21 घर जलाए, शांति बहाली की कोशिश में जुटा प्रशासन

एजेंसी । इंफाल

पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के उखरुल जिले में सोमवार दोपहर को एक बार फिर हिंसा भड़क गई। अधिकारियों ने बताया कि यह हिंसा तब भड़की जब कथित तौर पर हथियारबंद बदमाशों ने लिटन सरेखोंग गांव में कई घरों को आग लगा दी। इस दौरान हमलावरों ने हवा में गोलियां भी चलाईं। इस डर से ग्रामीण अपना जरूरी सामान लेकर पड़ोसी जिले कांगपोकपी के सुरक्षित इलाकों में चले गए हैं। कई तांगखुल ग्रामीणों ने भी अपना घर छोड़ दिया है। इस हिंसा की शुरुआत शनिवार रात को हुई थी। तब लिटन गांव में सात-आठ लोगों ने तांगखुल नागा समुदाय के एक व्यक्ति पर हमला किया था। हालांकि, पीड़ित पक्ष और गांव के मुखिया ने आपसी सहमति से मामला सुलझा लिया था। रविवार को इस पर एक बैठक होनी थी, लेकिन वह बैठक नहीं हो पाई।

क्या बोले राज्य मंत्री?

राज्य मंत्री गोविंददास कोंथौजम ने बताया कि हालात बहुत तनावपूर्ण हैं। सोमवार सुबह तक 17 घर जले थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर 21 हो गई है। उपमुख्यमंत्री एल डिखो मौके पर मौजूद हैं और लोगों से बात कर रहे हैं। शांति बहाल करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल भेजे गए हैं।

शिशु आहार में अधिक चीनी नुकसानदेहः ठाकुर

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने सरकार से अतिरिक्त चीनी की सख्त निगरानी सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं, विशेष रूप से बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए व्यापक, अधिक स्पष्ट और प्रभावी फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग नियम लागू करने की मांग की है। ठाकुर ने लोकसभा में नियम 377 के तहत भारतीय बाजार में उपलब्ध शिशु आहार और सॉफ्ट ड्रिंक्स में अतिरिक्त चीनी की चिंताजनक मात्रा को लेकर गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या की ओर ध्यान खींचा। वैश्विक स्वास्थ्य मानकों का हवाला देते हुए ठाकुर ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन वयस्कों और बच्चों के लिए कुल ऊर्जा सेवन में मुक्त शर्करा को 10 प्रतिशत से कम रखने की सिफारिश करता है, आदर्श रूप से 5 प्रतिशत से कम, और शिशु आहार में किसी भी अतिरिक्त चीनी का इस्तेमाल न करने की सलाह देता है। हालांकि, अध्ययनों से पता चलता है कि भारत में कुछ पैकेज्ड शिशु आहार में प्रति सर्विंग लगभग 2.7 ग्राम अतिरिक्त चीनी होती है, जबकि कई लोकप्रिय सॉफ्ट ड्रिंक्स में प्रति 100 मिलीलीटर लगभग 10.6 ग्राम चीनी होती है।

डिजिटल बदलाव यात्रियों को जनरल और रिजर्वेशन टिकट के लिए अलग ऐप्स की आवश्यकता नहीं

1 मार्च से रेलवे के सुपर ऐप रेलवन से बुक होंगी रेल टिकट

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने यात्रियों को अलग-अलग ऐप्स के झंझट से मुक्ति दिलाने के लिए 'रेलवन' ऐप पेश किया है। अब यात्रियों को जनरल (अनारक्षित) टिकट के लिए UTS और रिजर्वेशन के लिए IRCTC ऐप को अलग से रखने की जरूरत नहीं होगी। रेलवे ने वर्षों से चल रहे UTS ऐप को बंद करने का निर्णय लिया है और अब सभी प्रकार की टिकट बुकिंग इसी एकल प्लेटफॉर्म 'रेलवन' पर उपलब्ध होगी।

डिजिटल बुकिंग पर 3% की छूट और वॉलेट ट्रांसफर

डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए रेलवे ने एक विशेष प्रोत्साहन योजना शुरू की है। 14 जनवरी से 14 जुलाई के बीच रेलवन ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर यात्रियों को 3% की सीधी छूट दी जाएगी। साथ ही, जिन यात्रियों के पुराने यूटीएस वॉलेट (R-Wallet) में पैसे बचे हैं, उन्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है; उस राशि को आसानी से नए रेलवन ऐप में ट्रांसफर किया जा सकेगा।

एकीकृत सुविधाएं और आसान लॉग-इन

रेलवन ऐप केवल टिकट बुकिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक संपूर्ण यात्रा सहायक के रूप में कार्य करेगा। इसमें ट्रेन की लाइव लोकेशन, कोच पोजीशन, ई-कैटरिंग के जरिए खाना ऑर्डर करने और 'रेल मदद' पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने जैसी सुविधाएं एक साथ मिलेंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए इसमें पुराने IRCTC या UTS पासवर्ड से ही लॉग-इन करने का विकल्प दिया गया है, जिससे नया खाता बनाने की परेशानी नहीं होगी। रेलवे बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, मोबाइल टिकटिंग की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। 2023-24 में डिजिटल टिकटिंग की हिस्सेदारी जो 15-18% थी, वह अब बढ़कर 25-28% तक पहुंच गई है। रेलवे का लक्ष्य रेलवन के माध्यम से इसे 40% तक ले जाने का है। विशेष रूप से दैनिक यात्रियों के लिए अब सीजन टिकट (MST) का रिन्यूअल पुराने ऐप पर बंद कर दिया गया है, जो अब केवल रेलवन पर ही संभव होगा। यह बदलाव भारतीय रेलवे के डिजिटल ढांचे को और अधिक मजबूत और उपयोगकर्ता के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

इसरो ने चंद्रयान-4 के लिए लैंडिंग साइट तलाशी

चंद्रमा के साउथ पोल पर मॉन्स माउटन पहाड़ पर उतरेगा

एजेंसी । बेंगलुरु

इसरो ने चंद्रयान-4 मिशन के लिए चंद्रमा के साउथ पोल के पास एक लैंडिंग साइट तलाश ली है। चंद्रयान-2 ऑर्बिटर से मिली तस्वीरों के आधार पर वैज्ञानिकों ने मॉन्स माउटन (MM-4) क्षेत्र को लैंडिंग के लिए सबसे सही बताया है। मॉन्स माउटन, चंद्रमा के साउथ पोल के पास स्थित करीब 6,000 मीटर ऊंचा पहाड़ है। इसकी चोटी काफी हद तक सपाट है, जो लैंडिंग के लिए अनुकूल है। हालांकि, लैंडिंग साइट को लेकर अंतिम फैसला लॉन्च के करीब लिया जाएगा। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह इलाका इसलिए भी अहम है, क्योंकि

यहां लंबे समय तक सूर्य की रोशनी मिलती है। इसके अलावा इस क्षेत्र में वॉटर आइस मौजूद होने की संभावना भी जताई जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वैज्ञानिकों ने इस स्टडी को लूनर एंड प्लैनेटरी साइंस कॉन्फ्रेंस (LPSC 2026) में पेश किया गया। लैंडिंग साइट तय करने के लिए चंद्रयान-2 ऑर्बिटर पर लगे ऑर्बिटर हाई रेजोल्यूशन कैमरे की तस्वीरों का इस्तेमाल किया गया। यह कैमरा चंद्र सतह को करीब 32 सेंटीमीटर प्रति पिक्सल के रेजोल्यूशन में दिखाता है। इससे छोटे क्रेटर, पत्थर, ढलान और सतह की बनावट साफ नजर आती है।